संयम ◆ संस्कार ◆ संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 213
पृष्ठ 8
गुरूवार
23 अप्रैल 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित   Email : shaharsamta@gmail.com   Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- घर का वास्तु दोष दूर...
विचार- मणिपुर में फिर हिंसा
खेल- पैट कमिंस की वापसी के बाद...

मुख्यमंत्री सीएम योगी ने कहा-

हमें बंगाल की अस्मिता को बचाना

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल में सीएम योगी ने कहा– जब भारत आजाद हुआ तो तब पूरा देश रोजगार के लिए बंगाल आता था। उसके बाद पहले कांग्रेस ने लूटा, फिर कम्युनिस्टों ने नोचा, अब 15 साल से टीएमसी कंगाल कर रही है। सीएम ने कहा– बुआ–भतीजा मिलकर बंगाल के अस्तित्व को खत्म करना चाहते हैं। कोलकाता का मेयर कहता है यहां उर्दू चलेगी। मैं कहता हूं कोई माई का लाल बंगाली अस्मिता के साथ खिलवाड़ नहीं कर सकता। बंगाल की पहचान काबा से नहीं मां काली बाड़ी से है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को पश्चिम बंगाल की जोरासांको और चकदहा विधानसभा सीट पर चुनावी रैली की। भाजपा प्रत्याशियों को जिताने की अपील करते हुए सीएम योगी ने ममता सरकार पर जमकर निशाना साधा। रैली में एक बच्चा पोस्टर लेकर पहुंचा था जिस पर लिखा था– योगी जी बुलडोजर लाओ, हम तुम्हारे साथ हैं। बंगाल में मोहल्ले से गोहत्या होती है। भगवान राम के नाम से ममता दीदी को चिढ़ है। शोभायात्रा निकालने की परमीशन नहीं मिलती, टीएमसी के गुंडे गुंडा टैक्स वसूलते हैं। ऐसी स्थित यूपी में भी थी सपा के गुंडों को टैक्स देना होता था। विकास ठप था, राम का नाम लेने वालों पर लाठी–गोली चलती थी। आज यूपी में उत्सव है। कहीं रामनवमी का उत्सव, कहीं कृष्ण जन्माष्टमी का उत्सव, कहीं कांवड़ यात्रा का उत्सव। यूपी में सब शांति है माफिया और गुंडा समाप्त है। यूपी में माफिया और गुंडा सिर उठाता है तो बुलडोजर उनकी हड्डी–पसली को हाईवे बनाने में उपयोग करता है। कांग्रेस और सपा के समय जो गुंडों ने सरकारी संपत्ति पर कब्जा किए उसमें गरीब की भूमि गरीब को दी। सरकार की जमीन सरकार के पास आई और उनकी खुद की कमाई से अर्जित जमीन पर गरीबों के लिए घर बन रहे हैं। काशी, प्रयागराज में पूरी दुनिया आ रही है। ये तभी होता है जब भाजपा की डबल इंजन की सरकार होती है। हमने अयोध्या–काशी को संवारा है और बंगाल में गुरुदेव रविंद्र की पैतृक संपत्ति पर टीएमसी के गुंडों का कब्जा है। यूपी में कब्जा नहीं होता। वहां गुंडा जानता है कि अगर कब्जा किया तो सरकार उनकी 7 पुश्तों की जमीन निकालकर गरीबों के लिए घर बनवा देगी। मैं जानता हूं 4 मई को जब रिजल्ट आएगा तो बंगाल सोनार बांग्ला बनके अपनी अस्मिता को पहचानेगा। हमें बंगाल की अस्मिता को बचाना। अभी जो कठमुल्लापन को बढ़ावा दिया जा रहा है, उसे हर हाल में रोकना होगा। इसके लिए भारत के लोकतंत्र ने जो ताकत दी है उसका इस्तेमाल कीजिए।

अमित शाह बोले-

बंगाल में अपना खाता भी नहीं खोल पाएगी कांग्रेस

कोलकाता,एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल के दमदम में एक चुनावी रैली के दौरान कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को निशाने पर लेते हुए कहा कि इस बार कांग्रेस बंगाल में अपना खाता भी नहीं खोल पाएगी। अमित शाह ने अपने संबोधन में दावा किया कि पश्चिम बंगाल की जनता अब कांग्रेस को पूरी तरह नकार चुकी है और राज्य में उसका कोई जनाधार नहीं बचा है। उन्होंने कहा कि भाजपा तेजी से मजबूत हो रही है और आने वाले चुनावों में बड़ा प्रदर्शन करेगी। रैली के दौरान शाह ने विपक्षी दलों पर भी निशाना साधा और कहा कि वे केवल सत्ता के लिए राजनीति करते हैं, जबकि भाजपा विकास और लोगों की भलाई के लिए काम कर रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा कि बंगाल में बदलाव का समय आ गया है और जनता भाजपा के साथ खड़ी है। शाह के इस बयान से राज्य की राजनीति में बयानबाजी और तेज हो गई है। रैली में अमित शाह ने पश्चिम बंगाल सरकार पर भी जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में कानून व्यवस्था बिगड़ी हुई है और राज्य को गुंडों के हवाले कर दिया गया है। उन्होंने लोगों से सवाल किया कि क्या राज्य में चार शादियों की छूट होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा सत्ता में आई तो पूरे देश में समान नागरिक संहिता लागू करेगी, जिससे तीन तलाक और बहु–विवाह जैसी प्रथाओं पर रोक लगेगी। उन्होंने कहा कि इसका समाधान कमल को वोट देने से मिलेगा। इसके साथ ही शाह ने ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा कि वे जनता को गुमराह कर रही हैं। उन्होंने दावा किया कि आने वाले समय में बंगाल का मुख्यमंत्री कोई स्थानीय, बंगाली भाषा बोलने वाला व्यक्ति होगा और भाजपा कार्यकर्ता ही राज्य की बागडोर संभालेगा। रैली में उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा सरकार बनने पर महिलाओं के खातों में हर महीने 3000 रुपये दिए जाएंगे।

ईरान जंग में मध्यस्थता के सवाल पर बोले राजनाथ, कहा- पीएम का दृष्टिकोण संतुलित

बर्लिन, एजेंसी। पहली बार जर्मनी के दौरे पर गए भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वहां अपने संबोधन के दौरान पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष में भारत कब और क्या भूमिका निभाएगा, इस सवाल के जवाब में अपना रुख साफ किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने हमेशा संतुलित और समझदारी भरी विदेश नीति अपनाई है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि भविष्य में भारत वैश्विक संघर्षों को सुलझाने में बड़ी भूमिका निभा सकता है, जिसमें पश्चिम एशिया का संकट भी शामिल है। बर्लिन स्थित भारतीय दूतावास में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत ने हमेशा शांति की दिशा में प्रयास किए हैं, लेकिन हर चीज का एक सही समय होता है। उन्होंने कहा कि हो सकता है आने वाले समय में भारत इस दिशा में अहम भूमिका निभाए और सफल भी हो। उन्होंने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संघर्ष में शामिल दोनों पक्षों से युद्ध खत्म करने की अपील की है और उनका रुख हमेशा संतुलित रहा है। पीएम मोदी की विदेश नीति का किया जिक्र राजनाथ सिंह ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने रूस–यूक्रेन संघर्ष और अन्य अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी कई देशों के नेताओं से सीधा बातचीत की है। उन्होंने बताया कि जब प्रधानमंत्री ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, यूक्रेन के राष्ट्रपति और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की, तब भी शांति और समाधान पर चर्चा की गई। रक्षा मंत्री ने वैश्विक राजनीति में भारत की स्थिति को मजबूत बताते हुए कहा कि भारत का रुख किसी एक पक्ष के खिलाफ नहीं है। यही कारण है कि न तो अमेरिका भारत को दुश्मन मानता है और न ही ईरान। भारत सरकार की कूटनीति को सराहा इसके साथ ही उन्होंने भारत की कूटनीति की सराहना करते हुए कहा कि इसी संतुलित नीति की वजह से भारत के जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित गुजर पाए, जबकि उस समय कई देशों के जहाजों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा-

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के आचरण ने लोकतंत्र को खतरे में डाला

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के बीच जारी कानूनी जंग में बड़ी टिप्पणी की है। शीर्ष अदालत ने कहा कि यदि कोई मुख्यमंत्री व्यक्तिगत रूप से केंद्रीय एजेंसी की जांच प्रक्रिया में प्रवेश करता है या उसमें बाधा डालता है, तो इसे केवल केंद्र बनाम राज्य का राजनीतिक विवाद मानकर खारिज नहीं किया जा सकता। न्यायालय के अनुसार, यह सीधा तौर पर कानून के शासन और संवैधानिक मर्यादा से जुड़ा विषय है। अदालत ने कहा कि ममता बनर्जी के इस आचरण ने लोकतंत्र को खतरे में डाला है। यह मामला जनवरी 2026 में कोयला घोटाले की जांच के दौरान आई–पैक के कार्यालय और उसके निदेशक प्रतीक जैन के आवास पर हुई छापेमारी से जुड़ा है। ईडी ने आरोप लगाया था कि छापेमारी के दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने खुद हस्तक्षेप किया था। वहीं, एजेंसी ने ममता बनर्जी की ओर से की गई इस कार्रवाई को अपनी वैधानिक ड्यूटी में बड़ी बाधा माना है। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्र की अध्यक्षता वाली पीठ ने सुनवाई के दौरान राज्य सरकार के रुख पर कड़े सवाल उठाए। शीर्ष अदालत ने कहा कि जब एक संवैधानिक पद पर बैठा व्यक्ति किसी सक्रिय तलाशी अभियान वाली जगह पर चला आता है, तो यह जांच एजेंसियों की स्वतंत्रता पर गंभीर सवाल खड़े करता है। जस्टिस मिश्र ने पश्चिम बंगाल सरकार के अधिवक्ता से पूछा, क्या ईडी के अधिकारियों से यह उम्मीद की जाती है कि जब मुख्यमंत्री खुद छापेमारी वाली जगह पर घुस आएं और कार्रवाई को बाधित करें, तो वे मूकदर्शक बनकर खड़े रहें?

सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार ने कहा कि यह विवाद केवल केंद्र और राज्य के बीच का नहीं है, बल्कि एक ऐसे व्यक्ति द्वारा किया गया कृत्य है जो मुख्यमंत्री जैसे उच्च संवैधानिक पद पर बैठकर पूरी लोकतांत्रिक व्यवस्था को चुनौती दे रहा है। राज्य सरकार की ओर से तकनीकी आधार पर अनुच्छेद 32 की वैधता पर उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए जस्टिस कुमार ने कहा कि केशवानंद भारती केस से लेकर सीरवाई जैसे महान संविधानविदों ने भी कभी ऐसी स्थिति की कल्पना नहीं की होगी कि भारत में एक दिन ऐसा भी आएगा जब कोई मौजूदा मुख्यमंत्री स्वयं किसी जांच एजेंसी के दफ्तर में घुसकर उसकी वैधानिक प्रक्रिया में इस प्रकार हस्तक्षेप करेगा। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने दलील दी कि ईडी एक सरकारी विभाग है, कोई व्यक्ति नहीं, इसलिए वह अनुच्छेद 32 के तहत रिट याचिका दायर नहीं कर सकता। इस पर शीर्ष अदालत ने कहा कि ईडी के अधिकारी व्यक्तिगत रूप से भी भारत के नागरिक हैं। यदि उन्हें डराया–धमकाया जाता है या उनकी ड्यूटी करने से रोका जाता है, तो उनके मौलिक अधिकारों का हनन होता है। अदालत ने एक काल्पनिक स्थिति का उदाहरण भी दिया। सुप्रीम कोर्ट ने ममता बनर्जी के वकील से पूछा कि यदि केंद्र में उनकी सरकार होती और किसी अन्य राज्य का मुख्यमंत्री इसी तरह केंद्रीय एजेंसी की जांच में बाधा डालता, तो उनकी कानूनी प्रतिक्रिया क्या होती? प्रवर्तन निदेशालय का दावा है कि आठ जनवरी 2026 को छापेमारी के दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंची थीं। आरोप है कि वहां से जबरन महत्वपूर्ण फाइलें, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और यहां तक कि एक अधिकारी का मोबाइल फोन भी छीन लिया गया। एजेंसी ने इसे अधिकारियों का मनोबल गिराने वाली कार्रवाई बताया। दूसरी ओर, पश्चिम बंगाल सरकार का कहना है कि ईडी का इस्तेमाल चुनाव के समय तृणमूल कांग्रेस की रणनीतिक जानकारी जुटाने के लिए किया जा रहा है। राज्य पुलिस ने तर्क दिया कि उन्हें परिसर में हथियारबंद लोगों के घुसने की सूचना मिली थी।

हर 45-60 मिनट पर बजेगी वॉटर बेल

भीषण गर्मी और हीटवेव के चलते दिल्ली सरकार का फैसला, दिलाई जाएगी पानी पीने की याद

नयी दिल्ली,एजेंसी। बढ़ते तापमान के बीच शिक्षा निदेशालय (डीओई) ने दिल्ली के स्कूलों को हर 45–60 मिनट पर घंटी बजाकर छात्रों को पानी पीने की याद दिलाने और बडी सिस्टम लागू करने के निर्देश दिए हैं, ताकि बच्चे एक–दूसरे के स्वास्थ्य पर नजर रख सकें। ये निर्देश मंगलवार को दिल्ली सरकार के स्कूलों, सहायता प्राप्त और मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों के लिए जारी ताजा एहतियाती उपायों का हिस्सा हैं। यह कदम भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) की उस चेतावनी के बीच उठाया गया है, जिसमें आने वाले दिनों में राष्ट्रीय राजधानी में ऊष्ण लहर और प्रतिकूल मौसम की स्थिति की आशंका जताई गई है। डीओई के परिपत्र के अनुसार, 'वॉटर बेल' प्रणाली के तहत स्कूलों को हर 45 से 60 मिनट में घंटी बजानी होगी, ताकि छात्र नियमित रूप से पानी पीकर निर्जलीकरण (डिहाइड्रेशन) से बच सकें। परिपत्र में कहा गया है कि खुले में होने वाली सभाओं का समय सीमित किया जाए या उन्हें छायादार अथवा बंद स्थानों पर कम अवधि के लिए आयोजित किया जाए और खुले में कक्षाएं संचालित न की जाएं। इसके तहत छात्रों को पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी साथ लाना अनिवार्य होगा और स्कूलों को कई सुलभ स्थानों पर सुरक्षित एवं ठंडे पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा गया है। विभाग ने स्कूलों को बाहरी शारीरिक गतिविधियों से परहेज करने और कक्षा के दौरान तथा सभाओं में संक्षिप्त जागरूकता सत्र आयोजित कर छात्रों को जल सेवन, लू से जुड़ी बीमारियों और बचाव के उपायों के बारे में जानकारी देने के निर्देश दिए हैं।

राहुल गांधी ने पहलगाम हमले की बरसी पर दी श्रद्धांजलि, बोले, आतंकवाद के खिलाफ भारत एकजुट

नयी दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने पहलगाम आतंकी हमले की बरसी पर बुधवार को पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी और कहा कि आतंकवाद के खिलाफ भारत एकजुट है और नफरत एवं डर के सामने कभी नहीं झुकेगा। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि आतंकवाद के हर कृत्य के खिलाफ भारत दृढ़ एवं एकजुट है। पाकिस्तान के आतंकवादी संगठन लश्कर–ए–तैयबा ने पिछले वर्ष आज ही के दिन जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हमला किया था, जिसमें 26 लोग मारे गए थे। इनमें अधिकांश पर्यटक थे। राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, पहलगाम में पिछले वर्ष हुए कायरतापूर्ण आतंकी हमले में शहीद हुए सभी वीरों को मैं भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। भारत उनका बलिदान और उनके परिवारों की पीड़ा को न कभी भूलेगा, और न ही इस कायराना कृत्य के दोषियों को कभी माफ करेगा। उनका कहना था, बेरहमी से छीनी गयी मासूम जिंदगियों की याद आज भी हमारे दिलों को झकझोरती है। शहीदों के परिवारों का दुःख हम सब का दुःख है। देश के उन बेटों की शहादत भारत की आत्मा में सदा अमिट रहेगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आतंकवाद और हिंसा के खिलाफ पूरा देश एकजुट था, है और हमेशा रहेगा। राहुल गांधी ने यह भी कहा, नफरत और डर फैलाने वाली ताकतों के सामने भारत कभी नहीं झुकेगा, हम और अधिक मजबूती, एकता और संकल्प के साथ इसके विरुद्ध खड़े रहेंगे। खड़गे ने एक्स पर पोस्ट किया, '2025 में आज के ही दिन पहलगाम आतंकी हमले के दौरान अपनी जान गंवाने वाले 26 नागरिकों को मेरी विनम्र श्रद्धांजलि। देश निर्दोष नागरिकों के बलिदान को कभी नहीं भूलेगा और न ही माफ करेगा। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उन शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं जिन्होंने इस हमले में अपने प्रियजनों को खो दिया। उन्होंने कहा, हम अपने बहादुर सशस्त्र बलों की वीरता और बलिदान को सलाम करते हैं, जिन्होंने ऑपरेशन सिन्दूर के दौरान दृढ़ संकल्प और धैर्य के साथ लड़ाई लड़ी। हम सीमा पर अपने उन नागरिकों को भी याद करते हैं जिन्होंने सीमा पार से गोलाबारी के कारण अपनी जान गंवा दी। उनका बलिदान राष्ट्र की चेतना में अंकित है। खड़गे ने इस बात पर जोर दिया कि भारत की भावना आतंकवाद के हर कृत्य के खिलाफ दृढ़ और एकजुट है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने पहलगाम आतंकी हमले की बरसी पर दुख जताया और कहा कि इस हमले से ठीक पहले पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने भड़काऊ बयान दिया था, लेकिन अब पाकिस्तान ने वैश्विक प्रतिष्ठा हासिल कर ली है जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विदेश नीति की विफलता दर्शाता है।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर आईएएफ का दमखम, सुखोई-मिराज की गर्जना से कांपा आसमान

सुलतानपुर,संवाददाता। वायुसेना का लड़ाकू विमानों का दो दिवसीय अभ्यास बुधवार को सुलतानपुर जिले में पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे पर एक आपातकालीन हवाई पट्टी पर शुरू हुआ, जिसके मद्देनजर अधिकारियों ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम करने के साथ ही यातायात प्रतिबंध लगाए हैं। अधिकारियों के अनुसार, यह अभ्यास अरवल–किरी करवत हवाई पट्टी पर किया जा रहा है, जहां आपात स्थिति के दौरान एक्सप्रेस–वे का उपयोग वैकल्पिक रनवे के रूप में करने की तैयारी के तहत लड़ाकू विमान टच–एंड–गो ऑपरेशन संचालित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अभ्यास के दौरान विमानों की आवाजाही के प्रबंधन के लिए एक्सप्रेस–वे के पास एक हवाई यातायात नियंत्रण प्रणाली भी स्थापित की गई है। स्थानीय प्रशासन ने इससे पहले हवाई पट्टी के आसपास सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी थी और निवासियों से इससे सुरक्षित दूरी बनाए रखने और अफवाहों पर ध्यान देने से बचने की अपील की थी। इस अभ्यास से क्षेत्र में उत्साह भी पैदा हुआ है क्योंकि लोगों को लड़ाकू विमानों को करीब से देखने का मौका मिल रहा है। अधिकारियों ने कहा कि एहतियात के तौर पर एक्सप्रेस–वे के 12 किलोमीटर लंबे हिस्से पर यातायात का मार्ग एक मई तक बदल दिया गया है और अभ्यास समाप्त होने के बाद 2 मई से फिर से शुरू किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि इसी तरह का अभ्यास पहले भी किया जा चुका है, जिसमें जून 2023 का अभ्यास भी शामिल है जब सुखोई और मिराज विमानों ने 3.2 किलोमीटर लंबी हवाई पट्टी पर 'टच–एंड–गो' ऑपरेशन किया था। नवंबर 2021 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा एक्सप्रेस–वे के उद्घाटन के दौरान इसका का उपयोग ऐसे अभ्यास के लिए भी किया गया था।

निशाना कोई और, मौत किसी और की, फिर भी लगेगा हत्या का केस

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति किसी विशिष्ट व्यक्ति की हत्या के इरादे से वार करता है और उस वार से किसी अन्य निर्दोष की मृत्यु हो जाती है, तब भी अपराधी हत्या का दोषी माना जाएगा। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति किसी विशिष्ट व्यक्ति की हत्या के इरादे से वार करता है और उस वार से किसी अन्य निर्दोष की मृत्यु हो जाती है, तब भी अपराधी हत्या का दोषी माना जाएगा। इरादे का स्थानांतरण हो जाने के बाद भी अपराधी यह कहकर नहीं बच

सकता कि उसका उद्देश्य मृतक को मारना नहीं था। यह टिप्पणी करते हुए कोर्ट ने संभल जिले के शाकिर हत्याकांड में सजा काट रहे अभियुक्त रिजवान की जमानत अर्जी को खारिज कर दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा और न्यायमूर्ति जय कृष्ण उपाध्याय की खंडपीठ ने दिया है। वर्ष 2019 में अपीलकर्ता रिजवान ने बनियाढेर थाना क्षेत्र में एक दुकानदार से जबरन रुपयों की मांग की थी। दुकानदार ने रुपये देने से इन्कार किया तो रिजवान ने उस पर जान से मारने की नीयत से गोली चलाई जो दुकानदार को न लगकर पास ही काम कर रहे मजदूर शाकिर को लगी और उसकी मौत हो गई। ट्रायल कोर्ट ने इस मामले में रिजवान को धारा 302 (हत्या) के तहत दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई थी।

अभियुक्त ने इस फैसले को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में अपील दायर कर जमानत की मांग की थी। अपीलकर्ता के वकील ने दलील दी कि रिजवान का मकसद शाकिर की हत्या करना नहीं था, इसलिए उस पर धारा 302 के बजाय गैर–इरादतन हत्या (धारा 304) का मामला चलना चाहिए। हालांकि, खंडपीठ ने सुप्रीम कोर्ट की ओर से नन्हे बनाम उत्तर प्रदेश राज्य मामले में दिए गए हालिया निर्णय का हवाला देते हुए इस दलील को खारिज कर दिया। अदालत ने अभियुक्त के आचरण और उसके लंबे आपराधिक इतिहास का संज्ञान लिया। सरकारी वकील ने अदालत को बताया कि रिजवान के विरुद्ध हत्या, हत्या के प्रयास, गैंगस्टर एक्ट और डकैती जैसे कुल 27 आपराधिक मामले दर्ज हैं। गंभीर आपराधिक प्रवृत्ति और स्थानांतरित दुर्भावना के सिद्धांत को देखते हुए हाईकोर्ट ने रिजवान की जमानत और सजा के स्थगन की अर्जी को नामंजूर कर दिया।

डिप्टी सीएम केशव बोले– कांग्रेस और सपा महिला विरोधी, चुनाव में मिलेगा सबक

प्रयागराज। यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि महिला आरक्षण बिल का विरोध करके सपा और कांग्रेस ने महिला विरोधी मानसिकता का परिचय दिया है। यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि महिला आरक्षण बिल का विरोध करके सपा और कांग्रेस ने महिला विरोधी मानसिकता का परिचय दिया है। इसके पहले भी मोदी सरकार की ओर से लाए गए महिला आरक्षण विधेयक का इन दोनों पार्टियों ने विरोध किया था। राहुल गांधी और अखिलेश यादव चाहते हैं कि सिर्फ उनके

घर की महिलाएं ही सांसद बनें, देश की महिलाएं संसद और विधान सभा न पहुंच सकें। आगामी चुनाव में कांग्रेस और सपा को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। केशव प्रसाद बुधवार को सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि महिलाओं ने उम्मीद जताई थी उनको संसद और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण मिलने का सपना पूरा होगा लेकिन, कांग्रेस, सपा, टीएमसी और आरजेडी ने इसके आगे बैरियर लगा दिया। इससे देश की आबादी गुस्से से भरी हुई है। अखिलेश यादव चाहते हैं कि महिला आरक्षण में मुस्लिम महिलाओं को भी शामिल किया जाए। भारत के संविधान में धर्म के आधार पर आरक्षण की व्यवस्था ही नहीं दी गई है। कहा कि कांग्रेस और सपा महिला विरोधी, पिछड़ा विरोधी, गरीब विरोधी और किसान विरोधी पार्टी हैं। कहा कि राहुल गांधी की मां सोनिया गांधी राज्यसभा सदस्य और उनकी बहन प्रियंका वाड्रा लोकसभा की सदस्य हैं।

इसी तरह सपा मुखिया अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल लोकसभा की सदस्य हैं। राहुल गांधी और अखिलेश चाहते हैं कि उनकी घर की महिलाओं और बहन बेटियों के अलावा देश की अन्य कोई भी महिला संसद और विधानसभा में न पहुंचने पाए। तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के चुनाव में महिलाएं इन दोनों पार्टियों को मुंहतोड़ जवाब दे रही हैं।

अघोषित विद्युत कटौती का खामियाजा भुगत रहे हैं उपभोक्ता

प्रयागराज। क्षेत्र में करीब एक माह से विद्युत आपूर्ति मनमाने ढंग से की जा रही है, जिसका खामियाजा उपभोक्ताओं को भुगतना पड़ रहा है। क्षेत्रीय नागरिकों द्वारा शिकायत किए जाने के बावजूद विभाग के जिम्मेदार लोगों की तरफ से इस समस्या को लगातार नजर अंदाज किया जा रहा है। जिससे ग्रामीणों में असंतोष व्याप्त है।

उपभोक्ताओं की शिकायत है कि क्षेत्र में करीब एक माह से बिजली कब दिन में आएगी और कब चली जाएगी, इसकी कोई समयसीमा तय नहीं है। जिसका खामीयाजा आम नागरिक, छोटे–बड़े व्यापारी, छात्र तथा किसानों को भुगतना पड़ रहा है। क्षेत्र के विद्युत उपभोक्ता राम निरंजन, उदय राज, अमर बहादुर सिंह, नागेंद्र सिंह, महेंद्र कुमार आदि ने बताया कि उप विद्युत केंद्र प्रतापपुर बरेसता आरा कला साथर एवं चंपापुर कटहरा से प्रतापपुर क्षेत्र के सभी गांव जुड़े हैं। संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से शिकायत के बावजूद विद्युत कटौती में कोई सुधार नहीं किया जा रहा है। जिससे लोगों को परेशानी हो रही है।

एलपीजी का मजबूत विकल्प होगी हाइड्रोजन, बिजली उत्पादन के भी करीब पहुंचे वैज्ञानिक

प्रयागराज। एलपीजी व पेट्रोल–डीजल के संकट और ग्लोबल वॉर्मिंग से जूझ रही दुनिया वैकल्पिक ऊर्जा के स्रोत तलाशने में जुटी है। इस दिशा में देश के वैज्ञानिकों ने बड़ी सफलता हासिल की है। वह दिन दूर नहीं जब हाइड्रोजन एलपीजी व पेट्रोल–डीजल के मजबूत विकल्प के साथ बिजली उत्पादन का बड़ा जरिया होगी।

एलपीजी व पेट्रोल–डीजल के संकट और ग्लोबल वॉर्मिंग से जूझ रही दुनिया वैकल्पिक ऊर्जा के स्रोत तलाशने में जुटी है। इस दिशा में देश के वैज्ञानिकों ने बड़ी सफलता हासिल की है। वह दिन दूर नहीं जब हाइड्रोजन एलपीजी व पेट्रोल–डीजल के मजबूत विकल्प के साथ बिजली उत्पादन का बड़ा जरिया होगी।

दुनिया के शीर्ष दो फीसदी वैज्ञानिकों में शुमार इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) के भौतिक विज्ञान विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर रहे और अब दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रोफेसर डॉ. टीपी यादव व उनकी टीम ने मल्टी कंपोनेंट सिस्टम के जरिये एक ऐसा उत्प्रेरक तैयार किया है जिसकी मदद से 100 डिग्री सेंटीग्रेड पर हाइड्रोजन का संभरण किया जा सकता है।

इस शोध को पेटेंट कराने के लिए मई में एक प्रस्ताव भारतीय पेटेंट कार्यालय को भेजा जाएगा और इसके साथ ही अगले चरण के तहत कमरे के तापमान यानी 30 से 35 डिग्री पर हाइड्रोजन संभरण के लिए शोध को आगे बढ़ाया जाएगा। हाइड्रोजन ग्रीन एनर्जी के

मजबूत विकल्पों में से एक है और इसे जलाने से पानी बनता है। ऐसे में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में यह शोध क्रांतिकारी परिवर्तन ला सकता है।

कमरे के तापमान में संभरण से उपयोग सुरक्षित

वैज्ञानिक अब कमरे के तापमान में हाइड्रोजन के संभरण के लिए अगले चरण का शोध करेंगे। अधिक तापमान में संभरण पर विस्फोट का खतरा होता है। कमरे के तापमान में संभरण से हाइड्रोजन का उपयोग सुरक्षित होगा और इससे भोजन भी पकाया जा सकेगा। साथ ही वाहनों के ईंधन के रूप में इसका इस्तेमाल होगा और इससे बिजली का उत्पादन किया जा सकेगा। प्रो. टीपी यादव ने बताया कि सामान्य तौर पर 400 डिग्री तक के तापमान पर हाइड्रोजन का संभरण किया जाता है लेकिन अब मल्टी कंपोनेंट के इस्तेमाल से तैयार किए गए उत्प्रेरक से 100 डिग्री तक के तापमान पर संभरण संभव हो सका है।

नैनो पार्टिकल से कई गुना बढ़ी संभरण की क्षमता

शोध के दौरान कुछ ऐसे मैग्नीशियम आधारित हाइड्रोजन एनर्जी सिस्टम मिले जो बहुत ज्यादा हाइड्रोजन को स्टोर कर सकते हैं। हाई एंट्रॉपी एलॉय मल्टी कंपोनेंट में शामिल आयरन, कोबाल्ट, निकिल, कॉपर व क्रोमियम के नैनो पार्टिकल के इस्तेमाल से एक ऐसा उत्प्रेरक तैयार किया गया जो क्षमता से कई गुना अधिक हाइड्रोजन का संभरण कम तापमान पर कर सकता है।

काशीपुर में अपने शोध को साझा करेंगे प्रो. टीपी यादव

विश्व पृथ्वी दिवस पर प्रो. टीपी यादव को राधे हरि गवर्नमेंट पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज काशीपुर (उधमसिंह नगर) में व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया है। प्रो. यादव बुधवार को वहां रिसर्च एंड डेवलपमेंट इन हाइड्रोजन एनर्जी रू करेंट अप्लीकेशन पर व्याख्यान देंगे और अपने नवीनतम शोध को साझा करेंगे।

कटान रोकने के लिए चल रहे कार्य के दौरान मजदूर 50 फीट नीचे गंगा में गिरा, छह घंटे बाद मिला शव

प्रयागराज। डेंगुरपुर गंगा घाट पर बाढ़ कटान रोकने के लिए एक माह से चल रहे निर्माण कार्य के दौरान बुधवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। डेंगुरपुर गंगा घाट पहुंचने के महज 15 मिनट बाद ही लखीमपुर खीरी निवासी एक मजदूर 50 फीट नीचे खाई में गिरकर गंगा में समा गया। काफी मशक्कत के बाद छह घंटे के बाद शव बरामद किया गया।

डेंगुरपुर गंगा घाट पर बाढ़ कटान रोकने के लिए एक माह से चल रहे निर्माण कार्य के दौरान बुधवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। डेंगुरपुर गंगा घाट पहुंचने के महज 15 मिनट बाद ही लखीमपुर खीरी निवासी एक मजदूर 50 फीट नीचे खाई में गिरकर गंगा में समा गया। घटना के बाद कार्यस्थल पर अफरातफरी मच गई और साथी मजदूर बेबस देखते रह गए। लापता मजदूर की खोजबीन की जाती रही। करीब छह घंटे के बाद शव को बरामद किया जा सका।

बाढ़ प्रखंड की ओर से अधिकृत ठेकेदार भवंर इंटरप्राइजेज की ओर से जियो टेक्सटाइल ट्यूब कटर और पत्थर पिचिंग का कार्य पिछले एक माह से कराया जा रहा है। बुधवार सुबह करीब सात बजे लखीमपुर खीरी जिले के थाना धरहरा क्षेत्र के पहाड़ियापुर गांव समेत आसपास के गांवों से 12 मजदूर काम पर पहुंचे थे। इनमें अवधराम (35) पुत्र तेजी भी शामिल थे।

काम शुरू होते ही अवधराम घाट की ओर बढ़े। घाट पर पहले से बनी करीब 50 फीट गहरी खाई के पास पहुंचते ही उनका संतुलन बिगड़ गया और वह फिसलकर मिट्टी और चट्टानों से टकराते हुए सीधे गंगा में जा गिरे। कुछ ही क्षण में वह गंगा की लहरों में समा गए। शोर सुनकर आसपास के मछुआरे नाव लेकर मौके पर पहुंचे और काफी देर तक तलाश की, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। साथी मजदूरों का आरोप है कि एक माह से काम चलने के बावजूद खाई के पास न तो बैरिकेडिंग की गई और न ही किसी तरह के सुरक्षा इंतजाम किए गए थे। इससे हादसे की आशंका पहले से बनी हुई थी।

मजदूरों ने बताया कि वे लोग मंगलवार दोपहर लखीमपुर खीरी से निकले थे और बुधवार सुबह साइट पर पहुंचे थे। काम शुरू होने के कुछ ही मिनट बाद हादसा हो गया। घटना के करीब चार घंटे बाद पुलिस मौके पर पहुंची। दरोगा चंद्रपाल सिंह टीम के साथ पहुंचे और स्थानीय मछुआरों को लगाकर गंगा में डूबे मजदूर की तलाश शुरू कराई। छह घंटे के बाद उसकी लाश पाई गई।

गबन के मामले में अपील लंबित होने के बावजूद दर्ज एफआईआर नहीं होगी रद्द

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपने एक फैसले में स्पष्ट किया कि सार्वजनिक धन के गबन के मामलों में विभागीय अपील लंबित होना पुलिस जांच में बाधा नहीं बन सकता। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपने एक फैसले में स्पष्ट किया कि सार्वजनिक धन के गबन के मामलों में विभागीय अपील लंबित होना पुलिस जांच में बाधा नहीं बन सकता। यह आदेश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति तरुण सक्सेना की खंडपीठ ने रावती देवी उर्फ इंद्रावती देवी और अन्य की याचिका को खारिज करते हुए दिया है।

कोर्ट ने कहा कि एक बार जब किसी सार्वजनिक प्राधिकरण की ओर से वित्तीय अनियमितता और आपराधिक विश्वासघात की पुष्टि कर दी जाती है तो उस मामले की गहन जांच करना अनिवार्य हो जाता है, क्योंकि इसमें जनता का पैसा शामिल होता है। सिद्धार्थनगर के मनरेगा लोकपाल ने एक शिकायत की जांच के बाद पाया था कि याचियों ने 7,91,328 रुपये का गबन किया है। इस आधार पर उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। याचियों ने दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने की मांग करते हुए याचिका दायर की थी। याची अधिवक्ता ने दलील दी कि याचियों ने लोकपाल के निर्णय के विरुद्ध लखनऊ स्थित राज्य मनरेगा प्रकोष्ठ के अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष अपील की है। ऐसे में अपील का निर्णय आने से पहले एफआईआर दर्ज करना गलत है। हालांकि, पीठ ने इस तर्क को खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि अपराध संज्ञेय होने की स्थिति में प्रथम सूचनाकर्ता को रिपोर्ट दर्ज कराने से नहीं रोका जा सकता। अदालत ने अंततः हस्तक्षेप करने से इन्कार करते हुए याचिका को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि याची अपनी निर्दोषता जांच और बाद में होने वाले ट्रायल के दौरान साबित कर सकते हैं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने साइबर ठगी में इस्तेमाल बैंक खाते के धारक को अग्रिम जमानत दे दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल की एकल पीठ ने मनीष पांडेय की याचिका पर दिया है। मनीष पांडेय के खिलाफ प्रयागराज के साइबर क्राइम थाने में धोखाधड़ी और आईटी एक्ट समेत गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज हुआ था।

याची के अधिवक्ता ने दलील कि छह मई 2024 को उनकी प्रोपराइटरशिप फर्म प्रिमोज हेल्थ केयर के खाते में नौ संदिग्ध ट्रांजेक्शन हुए थे। इसके बाद कोई लेनदेन नहीं हुआ। उन्होंने सात मई 2024 को ही आईसीआईसीआई बैंक को इसकी जानकारी दे दी थी, लेकिन एफआईआर लगभग दो साल बाद दर्ज की गई। याची जांच में सहयोग कर रहा है। कोर्ट ने शर्तों के साथ आरोपी को अग्रिम जमानत दे दी।

पुलिस कर्मियों पर प्राथमिकी दर्ज करने की मांग में दायर याचिका खारिज

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गोरखपुर से जुड़े एक मामले में पुलिस कर्मियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग में दायर याचिका खारिज कर दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति वीडी चौहान की एकलपीठ ने रामचंद जायसवाल की याचिका पर दिया है।

गोरखपुर निवासी याची ने याचिका में आरोप लगाया था कि थाना प्रभारी व दो सिपाही उनके घर में घुस गए। गालीगलौज करते हुए मोबाइल, रुपये व सोने की चौन उठा ले गए। सीआरपीसी की धारा 153(3) के तहत उन्होंने एफआईआर दर्ज करने की मांग में अर्जी दायर की, जिसे मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने खारिज कर दिया। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने पुनरीक्षण अर्जी भी खारिज कर दी। इसके बाद याची ने हाईकोर्ट में वर्तमान याचिका दायर की।

याची अधिवक्ता ने याची के घर पर पुलिस की मौजूदगी का फोटो प्रस्तुत किया। कोर्ट ने पाया कि गैंगस्टर के मामले में पुलिस याची के बेटे को पकड़ने गई थी। अन्य तथ्यों का अवलोकन करने के बाद कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी।

आश्रितों में उपजे विवाद तो बिना जांच नौकरी देना दूसरे के साथ अन्याय

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि सरकारी कर्मचारी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद आश्रितों में विवाद पैदा हो तो अनुकम्पा नियुक्ति देने में सावधानी बरतना जरूरी है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि सरकारी कर्मचारी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद आश्रितों में विवाद पैदा हो तो अनुकम्पा नियुक्ति देने में सावधानी बरतना जरूरी है। बिना गहन जांच के किसी एक को नौकरी देना दूसरे के साथ अन्याय भी हो सकता है। इस टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान की अदालत ने शाहजहांपुर के निवासी अभिनय सक्सेना (नाबालिग पुत्र) की ओर से सौतेली मां के खिलाफ दाखिल याचिका निस्तारित कर दी। कोर्ट ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को मृतक शिक्षक के नाबालिग बेटे और उसकी सौतेली मां के दावों पर तीन महीने के भीतर सुनवाई कर फैसला लेने का आदेश दिया है। मामले के मुताबिक बेसिक शिक्षा विभाग में तैनात शिक्षक विवेक कुमार सक्सेना की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। संदेह पैदा होने पर याची की सौतेली मां सोनाली सक्सेना के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई थी। उधर, पति की मौत के बाद सोनाली ने अनुकम्पा नियुक्ति का दावा किया तो नाबालिग बेटे की ओर से विभाग में आपत्ति दर्ज कराई गई।

बेटे का कहना है कि पिता की मौत के बाद सौतेली मां उसकी देखभाल नहीं कर रही है। साथ ही यह आरोप भी लगाया कि मां ने पिता की मृत्यु के बाद मिलने वाले सभी वित्तीय लाभ और पेंशन पहले ही प्राप्त कर लिए हैं। चूंकि, पिता की मौत संदिग्ध थी और मां के खिलाफ एफआईआर दर्ज है, इसलिए उन्हें सरकारी नौकरी नहीं मिलनी चाहिए। मां–बेटे में उपजे विवाद में विभाग भी उलझ गया। हालांकि, बीएसए की ओर से कोर्ट को बताया गया कि विवाद के कारण नियुक्ति अभी तक रुकी हुई है और विभाग ने इस पर कानूनी राय मांगी है। इस दौरान सौतेली मां की नियुक्ति पर लगी रोक बरकरार रहेगी।

बिजली चोरी कर पेट्रोल पंप चलाने के आरोपी की गिरफ्तारी पर रोक से इन्कार

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पेट्रोल पंप पर भूमिगत केबल के जरिये एलटी लाइन से बिजली चोरी करने के आरोपी को राहत देने से इनकार कर दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर एवं न्यायमूर्ति लक्ष्मीकांत शुक्ला की खंडपीठ ने धर्मेंद्र गुप्ता की याचिका पर दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पेट्रोल पंप पर भूमिगत केबल के जरिये एलटी लाइन से बिजली चोरी करने के आरोपी को राहत देने से इनकार कर दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर एवं न्यायमूर्ति लक्ष्मीकांत शुक्ला की खंडपीठ ने धर्मेंद्र गुप्ता की याचिका पर दिया है।

मामला शाहजहांपुर का है। आरोप है कि याची रेणुका फिलिंग स्टेशन पर अवैध रूप से बिजली का उपभोग कर रहा था। जांच के दौरान पाया गया कि पेट्रोल पंप पर न तो कोई वैध बिजली कनेक्शन था और न ही कोई जनरेटर सेट। पंप को चलाने के लिए नीचे से गुजर रही लो–टेंशन (एलटी) लाइन में भूमिगत केबल जोड़कर सीधे बिजली चोरी की जा रही थी।

अधिकारियों की ओर से दर्ज एफआईआर को चुनौती देते हुए याची ने गिरफ्तारी पर रोक लगाने के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। याची के अधिवक्ता ने दलील दी कि पेट्रोल पंप धर्मेंद्र गुप्ता का नहीं, बल्कि सोनम गौतम का है। याची केवल उस भूमि का पट्टेदार है, जिस पर पंप स्थापित है, इसलिए उसे इस मामले में गलत फंसाया गया है। हालांकि, कोर्ट ने दलीलों को सिरे से खारिज कर दिया। कहा कि भूमिगत केबल से बिजली चोरी करना एक गंभीर मामला है। एफआईआर में लगाए गए आरोप की पुष्टि पुलिस जांच से ही हो सकती है।

मान्यता निलंबन के आधार पर नहीं रुकेगा मदरसा शिक्षकों का वेतन

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि जब तक किसी मदरसे की मान्यता अंतिम रूप से रद्द नहीं हो जाती, तब तक वहां के कर्मचारी वेतन पाने के हकदार हैं। केवल मान्यता निलंबन के आधार पर वहां के शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों का वेतन रोका जाना अवैधानिक है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि जब तक किसी मदरसे की मान्यता अंतिम रूप से रद्द नहीं हो जाती, तब तक वहां के कर्मचारी वेतन पाने के हकदार हैं। केवल मान्यता निलंबन के आधार पर वहां के शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों का वेतन रोका जाना अवैधानिक है। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति दिनेश पाठक की एकल पीठ ने आजमगढ़ स्थित दारुल उलूम अहले सुन्नत मदरसा अशर्फियां मिसबाहुल उलूम मुबारकपुर में तैनात रहे बदरे आलम और अन्य 19 शिक्षकों व कर्मचारियों की ओर से दाखिल याचिका पर की है। याचियों ने नौ जनवरी को जारी उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड के रजिस्ट्रार के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें मदरसे की मान्यता निलंबन की स्थिति में शिक्षकों का वेतन रोके जाने का आदेश दिया गया था। वेतन की मांग को लेकर हाईकोर्ट पहुंचे याचियों के वकील ने दलील दी कि उत्तर प्रदेश गैर–सरकारी अरबी और फारसी मदरसा मान्यता, प्रशासन और सेवा विनियमावली–2016 के विनियम 13(6) के अनुसार, जब तक किसी मदरसे की मान्यता अंतिम रूप से रद्द नहीं हो जाती, तब तक वहां के कर्मचारी वेतन पाने के हकदार हैं। कहा कि केवल निलंबन के आधार पर वेतन रोकना नियम विरुद्ध है। लिहाजा, कोर्ट ने उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड के रजिस्ट्रार को निर्देश दिया है कि वह शिक्षकों के बकाया वेतन के भुगतान पर दो माह के भीतर निर्णय लें।

40 साल से नहीं हुआ मार्ग का पक्का निर्माण, ग्रामीणों में आक्रोश

प्रयागराज। क्षेत्र में चंदेलन का पूरा से अमिलो तक जाने वाला लगभग 1100 मीटर लंबा सड़क मार्ग बदहाल स्थिति में है। ग्रामीणों का आरोप है कि इस सड़क की हालत पिछले चार दशकों से जस की तस बनी हुई है। आजतक इसका समुचित निर्माण नहीं कराया गया है। ग्रामीणों के अनुसार चकबंदी के समय इस सड़क पर केवल बोल्डर (गिट्टी) डालकर छोड़ दिया गया था। तब से लेकर आज तक इस मार्ग पर कोई ठोस निर्माण कार्य नहीं हुआ। करीब 15 साल पहले अंताही से लगभग 30 मीटर तक सड़क को डामर (काली) किया गया था, लेकिन वह भी अब पूरी तरह उखड़ चुकी है और वहां भी केवल गिट्टी ही दिखाई देती है। जिससे हादसे की आशंका बनी रहती है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाते हुए कहा कि यह सड़क कागजों में कई बार बन चुकी है, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई कार्य नहीं हुआ। जिससे ग्रामीणों में नाराजगी है। रमाशंकर शर्मा, कमला शंकर पांडेय, हरिशंकर पांडेय, विनोद गौतम, संतोष गौतम आदि ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि संबंधित विभाग के जेई (जूनियर इंजीनियर) पर भी लापरवाही और भ्रष्टाचार के आरोप हैं। उनका कहना है कि अधिकारी पैसे लेकर बैठ गए हैं और जमीन पर कोई काम नहीं कराया जा रहा है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही सड़क का निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ, तो वे सभी एकजुट होकर मुख्यमंत्री के पास जाकर अपनी समस्या रखेंगे और न्याय की मांग करेंगे।

सिटी मजिस्ट्रेट से मिला महिला शिक्षक संघ का प्रतिनिधिमंडल

मथुरा। उत्तर प्रदेश महिला शिक्षक संघ की जिलाध्यक्ष दिव्या मिश्रा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल सिटी मजिस्ट्रेट मथुरा से मिला। उन्हें ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया कि दिव्यांग, असाध्य रोग से पीड़ित शिक्षकों व गर्भवती शिक्षिकाओं, बाल्य देखभाल अवकाश पर गई शिक्षिकाओं, सेवा निवृत्ति के क़रीब होने वाले शिक्षकों की जनगणना कार्य में ड्यूटी न लगायी जाए। जनगणना में लगे शिक्षकों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाए व शिक्षकों पर अतिरिक्त कार्यभार न डाला जाए साथ ही साथ ये कोशिश की जाए कि प्रधानाध्यापकों की ड्यूटी न लगाई जाए जिससे विद्यालय का कोई भीं कार्यक्रम बाधित न हो।इस अवसर पर जिला अध्यक्ष दिव्या मिश्रा (जिला अध्यक्ष उ. प्र.महिला शिक्षक संघ), उपाध्यक्ष रचना कुमारी ,संगठन मंत्री पूनम गर्ग ,खुशबू श्रीवास्तव , अन्जु, महामंत्री गीता रावत, पिंकी, कोषाध्यक्ष मनीषा, सयुंक्त मंत्री सुनीता, अकाउंटेंट उमा, उपाध्यक्ष दीप्ती आदि शामिल रहे।

उत्तर मध्य रेलवे

शुद्धिपत्र सं.-01

निविदा सूचना संख्या 10/2026 दिनांक 07.04.2026 (निविदा संख्या 19265740) के संदर्भ में निम्नलिखित शुद्धि पत्र जारी किया जा रहा है :-

क्षेत्र विवरण	वर्तमान विवरण	संशोधित विवरण
निविदा खोलने की तिथि	30.04.2026	12.05.2026
संलग्नक		शुद्धिपत्र के अनुसार
आपूर्ति अवधि		
आपूर्ति के कार्य-क्षेत्र का विवरण		

विवरण के लिए ireps.gov.in पर लॉगिन करें। 775/26(A)

North central railways @CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

ई-नीलामी के लिए सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा निम्नलिखित ई-नीलामी बोलियां आमंत्रित की गयी है।

वाणिज्य विज्ञापन अनुबंध हेतु आमंत्रित ई-नीलामी

क्रम	वाणिज्य विज्ञापन का विवरण	ई-आक्शन कैटलाग संख्या	ई-आक्शन प्रारंभ तिथि एवं समय
1	प्रयागराज मंडल, उत्तर मध्य रेलवे के कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन के पार्सल कार्यालय में, 03 वर्षों की अवधि के लिए, लाईसेंसधारी के खर्च पर "दोपहिया वाहन और पार्सल/सामान" की पैकिंग और सुविधा काउंटर की स्थापना और संचालन।	MSS-Packing-Mob	30.04.2026 at 11:00 hrs
2	मानिकपुर में 01 कियोस्क, प्रयागराज जंक्शन पर 03 कियोस्क, प्रयागराज छिवकी पर 01 कियोस्क, फतेहपुर पर 01 कियोस्क, टूण्डला पर 01 कियोस्क, कानपुर सेंट्रल पर 03 कियोस्क, मिर्जापुर पर 01 कियोस्क, विन्ध्याचल पर 01 कियोस्क, सूबेदारगंज पर 01 कियोस्क अलीगढ़ पर 01 कियोस्क और इटावा रेलवे स्टेशनों पर 01 कियोस्क में मोबाइल और एक्सेसरीज कियोस्क के साथ-साथ अन्य यूटिलिटी आइटम की स्थापना, संचालन और प्रबंधन के लिए 05 साल की अवधि के लिए ई-नीलामी।		
3	प्रयागराज मंडल के अंतर्गत, कानपुर रेलवे स्टेशन के कैंट साइड (स्टेशन भवन के सामने) पर पाँच वर्षों की अवधि के लिए, फूड वैन (जो ग्राहकों को 24x7 सेवा प्रदान करेगी) का निर्माण, संचालन और रखरखाव। फूड वैन की संख्या/आकार का निर्णय सफल बोलीदाता द्वारा अनुबंध मिलने के बाद किया जाएगा, यह निर्णय व्यावसायिकता, यात्रियों की मांग और स्थल की उपयुक्तता पर आधारित होगा, और इसके लिए रेलवे प्रशासन (अर्थात Sr. DCM/PRYJ) की स्वीकृति आवश्यक होगी। यह कार्य, निर्धारित क्षेत्र का प्रभार लेने के बाद, बोलीदाता द्वारा अपने स्वयं के खर्च पर किया जाएगा।	MSS-CNB-PCOI-26	29.04.2026 at 11:00 hrs
4	प्रयागराज मंडल, उत्तर मध्य रेलवे के अंतर्गत, प्रयागराज छिवकी रेलवे स्टेशन (मुख्य प्रवेश द्वार की ओर, COD रोड से सटा हुआ) स्थित यात्री परिसर में छोटे निजी समारोहों, सामुदायिक केंद्र और अन्य वाणिज्यिक गतिविधियों के आयोजन हेतु 70 माह की अवधि के लिए अनुबंध।		
5	कानपुर-नई दिल्ली शताब्दी ट्रेन (10233/34) की बाहरी सतह पर, खिड़कियों और कांच और लगे जरूरी साइनेज को छोड़कर, बाहरी सतह पर पूरी तरह से विनाइल रैपिंग के जरिए विज्ञापन हेतु निविदा।		
6	टूण्डला रेलवे स्टेशन पर "आउट ऑफ़ होम" पॉलिसी के तहत, 03 साल की अवधि के लिए यूनिपोल/ होर्डिंग मीडिया के जरिए कमर्शियल प्रचार/विज्ञापन के अधिकार।		
7	प्रयागराज छिवकी स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में "आउट ऑफ़ होम" पॉलिसी के तहत, वीडियो वॉल (20 फीट x 10 फीट) के ज़रिए कमर्शियल प्रचार/विज्ञापन के अधिकार।	NFR-ADVT-Train	05.05.2026 at 11:00
8	रूरा रेलवे स्टेशन पर RDN नॉन-डिजिटल पॉलिसी के तहत, तीन साल के लिए यूनिपोल/होर्डिंग मीडिया के ज़रिए कमर्शियल प्रचार/विज्ञापन के अधिकार।		
9	प्रयागराज छिवकी रेलवे स्टेशन पर, कमर्शियल विज्ञापनों और रेलवे से जुड़ी जानकारी को दिखाने के लिए, LED स्क्रीन/TV (RDN डिजिटल) के जरिए 50:50 के टाइम-शेयरिंग आधार पर कमर्शियल प्रचार/विज्ञापन के अधिकार।		

कैटरिंग

SN	Details of publicity	E-Auction catalogue No.	E-Auction Start Date & Time
1	विभिन्न स्टेशनों पर 05 वर्षों की अवधि के लिए खानपान इकाईयाँ : भरवारी (01 स्थान), सिराथू (02 स्थान), उसरा (01 स्थान), भरवाना (01 स्थान), हाथरस (01 स्थान), इटावा (01 स्थान), नैनी (01 स्थान), खुर्जा (01 स्थान), फतेहपुर (01 स्थान)	PRYJ-CATG-26-7	27.04.2026 at 11:00 hrs
2	विभिन्न स्टेशनों पर 05 वर्षों की अवधि के लिए जल वेंडिंग मशीनें : चोला (04 स्थान), अछल्दा (04 स्थान), दादरी (06 स्थान), दनकौर (04 स्थान), जलेसर रोड (02 स्थान), बिन्दकी रोड (04 स्थान), खुर्जा (05 स्थान), भरवाना (04 स्थान)	MSS-WVM-26-5	27.04.2026 at 11:00 hrs
3	विभिन्न स्टेशनों पर 05 वर्षों की अवधि के लिए जल वेंडिंग मशीनें : फफूंद (07 स्थान), रूरा (04 स्थान), मैनपुरी (02 स्थान), पनकीधाम (04 स्थान), फिरोजाबाद (04 स्थान)	MSS-WVM-26-6	28.04.2026 at 11:00 hrs
4	विभिन्न स्टेशनों पर 05 वर्षों की अवधि के लिए जल वेंडिंग मशीनें : कानपुर अनवरगंज (04 स्थान), सूबेदारगंज (02 स्थान)	MSS-WVM-26-6	04.05.2026 at 11:00 hrs
5	05 वर्ष की अवधि के लिए विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर खानपान इकाईयाँ : खागा (01 स्थान), सोनभद्र (02 स्थान), दनकौर (01 स्थान), इगलास (01 स्थान), भरवारी (01 स्थान), दादरी (01 स्थान), खुर्जा (01 स्थान), हाथरस (01 स्थान), भरवारी (01 स्थान), नैनी (01 स्थान), कानपुर अनवरगंज (01 स्थान), सिराथू (01 स्थान), इटावा (01 स्थान), फफूंद (02 स्थान)	PRYJ-CATG-26-7	04.05.2026 at 11:00 hrs
6	विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर 05 वर्षों की अवधि के लिए बहुउद्देशीय इकाइयाँ : अलीगढ़ (01 स्थान), विन्ध्याचल (01 स्थान), फतेहपुर (01 स्थान), प्रयागराज (01 स्थान), फफूंद (01 स्थान), मानिकपुर (01 स्थान)	PRYJ-MPS-26-3	04.05.2026 at 11:00 hrs

पार्किंग

SN	Details of publicity	E-Auction catalogue No.	E-Auction Start Date & Time
1	फिरोजाबाद रेलवे स्टेशन पर दोपहिया, तिपहिया एवं चारपहिया वाहनों के लिए पार्किंग स्टैंड 03 वर्ष की अवधि के लिए उपलब्ध है।	PARKING-FZD-MX	30.04.2026 at 11:00
2	चुनार रेलवे स्टेशन पर दोपहिया, तिपहिया एवं चारपहिया वाहनों के लिए पार्किंग स्टैंड 03 वर्ष की अवधि के लिए उपलब्ध है।	PARKING-CAR-MX	05.05.2026 at 11:00

नोट : इच्छुक बोलीदाता अधिक जानकारी के लिए ई-नीलामी में भाग लेने के लिए आधिकारिक वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जा सकते हैं। 878/26 (AS)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

रमेश चंद द्विवेदी के सम्मान मे आयोजित काव्य गोष्ठी संपन्न

गोरखपुर। घुघुली महराजगंज के मूल्य निवासी एवं देव भूमि उत्तरा खंड हल्द्वानी रहने वाले विद्वान आलोचक, कवि, लेखक रमेश चंद्र द्विवेदी जी का सपत्नीक आगमन अपने जन्म कि माटी जन्म भूमि पर अनेक मांगलिक कार्यो मे सम्मिलित होने के उद्देश्य से हुआ श्री द्विवेदी की मातृ भूमि कि खुशबु ने गोरखपुर वासियों को उनके आगमन से अल्लाउद्दीन एवं उत्साहित एवं गौरवांवित किया गोरखपुर वासियों ने भी इस अवसर का लाभ उठाने से कैसे चुक सकते थे गोरखपुर कि साहित्यिक संस्था श्री देव डीप साहित्यिक संस्था द्वारा रमेश चंद्र द्विवेदी जी के जन्म भूमि आगमन को अविस्मरणीय बनाने के लिए वरिष्ठ साहित्यकार मुक्ति नाथ त्रिपाठी जी के महादेव पुरम के निवास स्थान पर भव्य काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया

गोष्ठी का शुभारम्भ नंदलाल मणि त्रिपाठी पीताम्बर के स्वागत संबोधन से हुआ स्वागत संबोधन के बाद मशहूर कवयित्री श्रीमती बिन्दु चौहान के सरस्वति वंदना से हुआ जिसके उपरांत विधि वत कवि गोष्ठी का शुभारम्भ हुआ प्रथम कवि डॉ भारतेन्दु सिंह जी द्वारा अपनी सारगर्भित रचनाओ से सबको अभिभूत किया ख्याति लब्ध रचनाकार अंजू विश्वकर्मा जी द्वारा अपनी सारगर्भित रचनाओ से सभी को झकझोरते हुए स्पंदित किया गया।

युवा कवि राघवेन्द्र मिश्र द्वारा अपने गजल एवं शेरों से गोष्ठी को नई ऊंचाई प्रदान करते हुए श्रोताओं के दिलों को भाव एवं संवेदना के प्रवाह की धारा का प्रवाह किया गया।

कवयित्री बिंदु चौहान जी द्वारा अपनी रचनाओ से वातावरण को गुंजायमान करते हुए संवेदना को अनुभूति से अभिवंचित किया गया।

कवि विचारकर दिनेश गोरखपुरी द्वारा अपने दोहों से समाज समय कि निरंतरता में चिन्तन कि चौतन्य ता का संचार किया गया

कवयित्री नीलम पांडे जी द्वारा भगवान राम कि मर्यादा एवं अयोध्या का जिवंत सजीव अभिव्यक्ति से गोष्ठी शोभायमान बना दिया।

आतिथ्य मुक्ति नाथ तिवारी जी द्वारा अपनी जिवंत जाग्रत प्रस्तुति से वातावरण मे मातृभूमि कि संवेदना का संचार कर गोष्ठी की प्रमाणिकता को चार चांद लगा दिया।

अंतिम कवि के रूप मे प्रतिष्ठित भोजपुरी एव ख्यातिलब्ध हिन्दी साहित्यकार गीतकार ग़ज़लकार पूर्व प्रधानाचार्य दरोगा राय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सुभाष यादव जी द्वारा अपने गज़लों से गोष्ठी को बुलन्दियों तक पहुंचाते हुए अविस्मरणीय बनाया गया लोंगो कर मांग पर अपना मश्हूर गीत केहू केतनों दुलारी लेकिन ना होइ से गोष्ठी को भोजपुरी खुशबु से मुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम संचालक नंदलाल मणि त्रिपाठी द्वारा अपनी रचनाओ के वाचन के उपरांत कार्यक्रम कि अध्यक्षता कर रहे रमेश चन्द्र द्विवेदी जी द्वारा अपने सारगर्भित महत्वपूर्ण उद्बोधन के द्वारा कमियों कि प्रस्तुति एवं रचनाओ की विधि वत समीक्षा करने हुए अपनी रचनाओं से अपनी मातृभूमि कि उच्च सम्वेदना आकर्षण प्यार परिवार परंपरा अभिव्यक्ति ने लम्हों को यादगार बनाते हुए वक्त को अपने दामन मे समेट यादगार बनाने को विवश कर दिया।

कार्यक्रम के अंत मे गोरखपुर विश्विद्यालय कि बी एस सी ए जी द्वितीय वर्षा छात्रा खुशी सिंह ने सबको आधार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम को अविस्मरणीय अतुलनीय अनुकरणीय बताया।

पृथ्वी दिवस पर राजकीय इंटर कॉलेज दघेंटा में हुआ भव्य आयोजन, विद्यार्थियों ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

बलदेव (मथुरा)। राजकीय इंटर कॉलेज दघेंटा में पृथ्वी दिवस के अवसर पर भव्य एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. अखिलेश यादव द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत में छात्राओं ने पृथ्वी संरक्षण विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। इसमें डोली रावत एवं पार्थिव शुक्ला के भाषण विशेष रूप से सराहनीय रहे। विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने हेतु पोस्टर एवं स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिसमें पर्यावरण संरक्षण से जुड़े प्रभावशाली संदेश प्रस्तुत किए गए।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत मां सरस्वती वंदना से हुई, जिसमें डोली, कविता एवं कुमकुम ने सुंदर प्रस्तुति दी। इसके पश्चात छात्राओं ने स्वागत गान "सांसों की सरगम" पर

प्रस्तुति देकर वातावरण को भाव–विभोर कर दिया।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण पृथ्वी दिवस पर आधारित नाटिका रही, जिसे छवि शर्मा, मोनिका, मोहिनी, नव्या, सुधा और रश्मि ने शानदार एवं प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत कर सभी दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। नाटिका के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का सशक्त संदेश दिया गया।

कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य डॉ. अखिलेश यादव ने विद्यार्थियों को पृथ्वी की सुरक्षा एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने का संदेश देते हुए जल संरक्षण पर भी विशेष जोर दिया। कार्यक्रम का संचालन छात्रा निशा ने किया और सभी विद्यार्थियों को पृथ्वी संरक्षण की शपथ दिलाई।

अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर बृजेश अग्निहोत्री, जनार्दन कुमार, उमेश कुमार, कृष्णा, कविता, हर्ष, देवेश, हेमंत, दिनेश, मयंक, बलदेव सहित अन्य का विशेष योगदान रहा।

पृथ्वी दिवस पर पतंजलि ऋषिकुल विद्यालय में रचनात्मक एवं प्रेरणादायक गतिविधियों का किया गया आयोजन

प्रयागराज। आज पृथ्वी दिवस के अवसर पर पतंजलि ऋषिकुल विद्यालय में विद्यार्थियों द्वारा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु अनेक प्रेरणादायक एवं रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया। विद्यालय परिसर में उत्साह, सृजनात्मकता और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता का अद्भुत वातावरण देखने को मिला। "हमारी शक्ति, हमारा ग्रह" थीम के अंतर्गत कक्षा 1 के बच्चों ने रंग–बिरंगे स्टिकर्स पर "पृथ्वी बचाओ, बिजली बचाओ, जल बचाओ" जैसे संदेश लिखकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। वहीं कक्षा 2 के विद्यार्थियों ने आकर्षक "रॉकिंग अर्थ" (झूमती हुई पृथ्वी) मॉडल तैयार किए, जो उनकी कल्पनाशक्ति और प्रकृति के प्रति प्रेम को दर्शा रहे थे।

इन नन्हे बच्चों द्वारा प्रस्तुत कविताएँ और सरल भावनाएँ पूरे वातावरण में जागरूकता के बीज बोती प्रतीत हुईं। यह एक स्नेहपूर्ण और रचनात्मक उत्सव था, जिसमें पृथ्वी के प्रति प्रेम, देखभाल और संरक्षण का संकल्प स्पष्ट रूप से झलक रहा था। कक्षा 3, 4 एवं 5 के विद्यार्थियों ने "इको–लिगेसी फेस्टरू हमारी पृथ्वी, हमारा संकल्प" विषय को अपनाते हुए भाग लिया। वे "प्रकृति के रंग" (आसमानी नीले और हरे रंग) के वस्त्रों में सुसज्जित होकर आए और "क्रियात्मक कला" पहल में सक्रिय रूप से सहभागिता की। इन गतिविधियों के माध्यम से उन्होंने पर्यावरण संरक्षण का सशक्त संदेश प्रस्तुत किया। इसके अतिरिक्त उच्च कक्षाओं में भी विविध रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया

"आज पुनः उपयोग, कल हरित भविष्य" विषय पर कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों द्वारा विविध रचनात्मक गतिविधियाँ उत्साहपूर्वक संपन्न की गईं । इन गतिविधियों में विद्यार्थियों ने कंकड़ों पर पर्यावरण संदेशों के साथ चित्रकारी (च्मइइसम च्पदजपदह), प्रयुक्त बोतल के ढक्कनों से आकर्षक चाबी के छल्ले बनाना, पुरानी सीडी से चमकदार सजावटी वस्तुएँ तैयार करना, प्लास्टिक एवं थर्माकोल की अनुपयोगी प्लेटों को नवीन रूप देना तथा "ळव ळतममद" और "अम म्तजी" जैसे संदेशों के साथ पर्यावरण–अनुकूल थैले बनाना शामिल रहा। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों ने प्लास्टिक बोतलों से पशु–आकृति एवं पुष्प सज्जा युक्त पौधारोपण पात्र तैयार किए तथा जंक आर्ट के माध्यम से बेकार वस्तुओं को उपयोगी एवं सुंदर वस्तुओं में परिवर्तित किया। कक्षा 10 से 12 के विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण पर रचनात्मक कविता लेखन एवं व्यक्तिगत संकल्प (म्बव–च्समकहम) प्रस्तुत कर अपनी जागरूकता और जिम्मेदारी का परिचय दिया। यह समस्त गतिविधियाँ विद्यार्थियों में पुनर्चक्रण, सृजनात्मकता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति गहरी समझ विकसित करने में अत्यंत प्रभावी सिद्ध हुईं।

विद्यालय में वृक्षारोपण कार्यक्रम एवं स्वच्छता अभियान भी आयोजित किए गए, जिसमें छात्रों एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यालय की उपाध्यक्षा महोदया डॉ. कृष्णा गुप्ता जी ने अपने प्रेषित संदेश में कहा कि पृथ्वी दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखना ही हमारे उज्ज्वल भविष्य की कुंजी है। उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा किए गए रचनात्मक प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें प्रेरित किया कि वे पुनः उपयोग, संरक्षण और स्वच्छता जैसे मूल्यों को अपने दैनिक जीवन में अपनाएँ तथा एक जिम्मेदार और सजग नागरिक के रूप में पृथ्वी की रक्षा में अपना सक्रिय योगदान दें। विद्यालय की निदेशिका महोदया श्रीमती रेखा बैद एवं सचिव महोदय श्री यशोवर्धन जी ने अपने प्रेषित संदेश में कहा कि पृथ्वी हमारा एकमात्र घर है, जिसकी सुरक्षा और संरक्षण हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत रचनात्मक गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन बच्चों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता और संवेदनशीलता विकसित करते हैं। उन्होंने सभी को प्रेरित किया कि वे अपने दैनिक जीवन में छोटे–छोटे प्रयासोंकृजैसे जल संरक्षण, वृक्षारोपण और पुनर्चक्रणकृको अपनाकर पृथ्वी को सुरक्षित और हरित बनाने में योगदान दें।

शब्दों का संसार

शब्दों का संसार सजाना जिसको आता।
चालाकी के साथ वही सब कुछ कह जाता।
सीधे–साधे लोग न समझे उसकी फितरत।
सह करके नुकसान कहें यह मेरी किस्मत।
रहन–सहन व्यवहार के देखें उनके चोचले।
जिनके कारण हो गए रिश्ते सारे खोखले।।

उनके मीठे बोल दिलों को छू जाते हैं।
उपहारों के संग द्वार पर जो आते है।
फैशन का है दौर सोच भी हुई निराली।
अमृत को सब छोड़ पी रहे विष की प्यारी।
सब कुछ अच्छा है नहीं फिर भी अच्छा सब लगे।
मस्ती और उमंग को ठगते अपने ही सगे।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

जॉर्डिया के पहलवान फेडरिला को चित कर अंकित ने जीती ढाई लाख की कुश्ती

मथुरा। गांव सिहोरा में भारतीय किसान यूनियन अन्नदाता द्वारा आयोजित भव्य दंगल में देश–विदेश से आए पहलवानों ने दमखम का शानदार प्रदर्शन किया। मुख्य मुकाबले में स्थानीय पहलवान अंकित ने जॉर्डिया के पहलवान फेडरिला को रोमांचक मुकाबले में चित कर ढाई लाख रुपये और एक मोटरसाइकिल की इनामी कुश्ती अपने नाम कर ली।

दंगल में हरियाणा, उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों से आए नामी पहलवानों ने भाग लिया। मुकाबलों को देखने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीणों और खेल प्रेमियों की भीड़ उमड़ी, जिससे पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल बना रहा।

आयोजकों के अनुसार 1.10 लाख, 21 हजार, 31 हजार और 11 हजार रुपये की अन्य कुश्तियां भी कराई गईं, जिनमें पहलवानों ने शानदार प्रदर्शन किया। विजेताओं को नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

भारतीय किसान यूनियन अन्नदाता के प्रदेश अध्यक्ष भूरा पहलवान ने सभी अतिथियों एवं पहलवानों का स्वागत कर उन्हें सम्मानित किया। कार्यक्रम में मौजूद मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से ग्रामीण प्रतिभाओं को मंच मिलता है और खेलों को बढ़ावा मिलता है।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं. 0720262027 | ई-निविदा सूचना | दिनांक : 20.04.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मण्डल रेल प्रबन्धक/प्रयागराज निम्न लिखित कार्य हेतु ऑनलाइन (ई-टेण्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते हैं।

क्र.सं : 1 | ई-निविदा सूचना सं.: 0720262027-20 | अनुमानित मूल्य (₹): ₹ 1,44,00,002.15
कार्य का नाम: वरि.खण्ड.अभि./कार्य/स्टेशन/प्रयागराज के अधिकार क्षेत्र में वार्षिक मरम्मत एवं अनुरक्षण ओपन कार्यों का निष्पादन, पी.ई. 30.06.2027
अमानत राशि ₹: ₹ 2,88,000.00

क्र.सं : 2 | ई-निविदा सूचना सं.: 0720262027-21 | अनुमानित मूल्य (₹): ₹ 1,65,24,936.63
कार्य का नाम: वरि.खण्ड.अभि./कार्य/ट्रैक्शन/प्रयागराज के अधिकार क्षेत्र में वार्षिक मरम्मत एवं अनुरक्षण ओपन कार्यों का निष्पादन, पी.ई. 30.06.2027
अमानत राशि ₹: ₹ 3,70,500.00

क्र.सं : 3 | ई-निविदा सूचना सं.: 0720262027-22 | अनुमानित मूल्य (₹): ₹ 2,41,82,713.11
कार्य का नाम: वरि.खण्ड.अभि./कार्य/राजापुर/प्रयागराज के अधिकार क्षेत्र में वार्षिक मरम्मत एवं अनुरक्षण ओपन कार्यों का निष्पादन, पी.ई. 30.06.2027
अमानत राशि ₹: ₹ 4,83,700.00

क्र.सं : 4 | ई-निविदा सूचना सं.: 0720262027-23 | अनुमानित मूल्य (₹): ₹ 2,45,33,279.46
कार्य का नाम: वरि.खण्ड.अभि./कार्य/नैनी/प्रयागराज के अधिकार क्षेत्र में वार्षिक मरम्मत एवं अनुरक्षण ओपन कार्यों का निष्पादन, पी.ई. 30.06.2027
अमानत राशि ₹: ₹ 4,90,700.00

क्र.सं : 5 | ई-निविदा सूचना सं.: 0720262027-24 | अनुमानित मूल्य (₹): ₹ 3,24,50,002.84
कार्य का नाम: वरि.खण्ड.अभि./कार्य/रेलवे/प्रयागराज के अधिकार क्षेत्र में वार्षिक मरम्मत एवं अनुरक्षण ओपन कार्यों का निष्पादन, पी.ई. 30.06.2027
अमानत राशि ₹: ₹ 6,49,000.00

क्र.सं : 6 | ई-निविदा सूचना सं.: 0720262027-25 | अनुमानित मूल्य (₹): ₹ 2,36,49,999.71
कार्य का नाम: वरि.खण्ड.अभि./कार्य/सूबेदारगंज/प्रयागराज के अधिकार में स्टाफ क्वार्टर और कॉलोनी पी.ई के लिए वार्षिक मरम्मत और अनुरक्षण ओपन कार्यों का निष्पादन। पी.ई. 30.06.2027
अमानत राशि ₹: ₹ 4,73,000.00

क्र.सं : 7 | ई-निविदा सूचना सं.:0720262027-26 | अनुमानित मूल्य (₹): ₹ 2,57,10,001.92
कार्य का नाम: वरि.खण्ड.अभि./कार्य/सूबेदारगंज/प्रयागराज के अधिकार में सर्विस बिल्डिंग सूबेदारगंज के लिए वार्षिक मरम्मत और रखरखाव ओपन कार्यों का निष्पादन। पी.ई. 30.06.2027
अमानत राशि ₹: ₹ 5,14,200.00

क्र.सं : 8 | ई-निविदा सूचना सं.: 0720262027-27 | अनुमानित मूल्य (₹): ₹ 1,41,85,125.53
कार्य का नाम: वरि.खण्ड.अभि./कार्य/डीएसए/प्रयागराज के अधिकार क्षेत्र में वार्षिक मरम्मत एवं अनुरक्षण ओपन कार्यों का निष्पादन, पी.ई. 30.06.2027
अमानत राशि ₹: ₹ 2,83,700.00

क्र.सं : 9 | ई-निविदा सूचना सं.: 0720262027-28 | अनुमानित मूल्य (₹): ₹ 1,88,75,000.1
कार्य का नाम: वरि.खण्ड.अभि./कार्य/अस्पताल/प्रयागराज अधिकार क्षेत्र में वार्षिक मरम्मत एवं अनुरक्षण ओपन कार्यों का निष्पादन, पी.ई. 30.06.2027
अमानत राशि ₹: ₹ 3,77,500.00

क्र.सं : 10 | ई-निविदा सूचना सं.: 0720262027-29 | अनुमानित मूल्य (₹): ₹ 1,24,15,000.00
कार्य का नाम: वरि.खण्ड.अभि./कार्य/बागवानी/प्रयागराज, के क्षेत्राधिकार में रेलवे कॉलोनी अधिकारी बंगला, स्टेडियम, क्लब, कल्पतरु, पार्क क्रमांक 1, 2, 3 एवं क्वार्टरों, लॉन आदि के सामने उद्यानिकी कार्यों के वार्षिक अनुरक्षण कार्यों का निष्पादन पी.ई. 30.06.2027
अमानत राशि ₹: ₹ 2,48,300.00

क्र.सं : 11 | ई-निविदा सूचना सं.: 0720262027-30 | अनुमानित मूल्य (₹): ₹ 84,35,700.00
कार्य का नाम: वरि.खण्ड .अभि./कार्य/बागवानी/प्रयागराज, के अधिकार क्षेत्र में महाप्रबंधक ऑफिस कैंपस, नर्सरी सूबेदारगंज आदि के बागवानी कार्यों के वार्षिक रखरखाव का निष्पादन। पी.ई. 30.06.2027
अमानत राशि ₹: ₹ 1,68,700.00

क्र.सं : 12 | ई-निविदा सूचना सं.-0720262027-31 | अनुमानित मूल्य (₹): ₹ 1,05,26,000.00
कार्य का नाम: वरि.खण्ड .अभि./कार्य/बागवानी/ प्रयागराज क्षेत्र, डीआरएम बंगला, प्रयागराज, नैनी और प्रयागराज छिवकी स्टेशन क्षेत्र की सेवा और आवासीय भवन आदि के वार्षिक अनुरक्षण का निष्पादन वरि.खण्ड.अभि./कार्य/ बागवानी/ प्रयागराज, पी.ई. 30.06.2027
अमानत राशि ₹: ₹ 2,10,500.00

निविदा बंद होने की तिथि: 12.05.2026 को 12.00 बजे | कार्य समापन की अवधि: 12 माह
कार्य की प्रकृति: (क्रम सं. 1 से 9 तक कोई भी सिविल इंजीनियरिंग का कार्य) एवं (क्रम सं. 10 से 12 तक कोई भी बागवानी कार्य)।
नोट- 1. पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुत करने के लिए भारतीय रेलवे वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें। 863/26(DG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

छात्रों का आत्मघात

कुरुक्षेत्र स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में दो महीनों के दौरान चार छात्रों द्वारा आत्महत्या करना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। यह संस्थान ही नहीं, शैक्षिक जगत और उनके परिवारों की भी अपूरणीय क्षति है। घटनाएं तकनीकी संस्थानों में तनाव प्रबंधन और मानसिक उपचार की खामियों को भी उजागर करती हैं। कोई व्यक्ति आत्मघाती कदम तब ही उठाता है जब उसे उम्मीद के सारे दरवाजे बंद नजर आते हैं। इस घातक कदम को उठाने से पहले वो तनाव के चरम से जूझते हुए किस मानसिक कष्ट से गुजरता होगा, अंदाज लगाना कठिन नहीं है। उसकी मनरूस्थिति इतनी हताशा से भरी होती है कि आत्महत्या जैसा पीड़ादायक–घातक रास्ता उसे समाधान नजर आता है। विडंबना है कि हम संभावनाओं के इस दुखद अंत को मूकदर्शक बने देखते हैं। हम आत्महत्या के आंकड़ों व संख्या का जिक्र ही करते हैं, लेकिन उसे पाल–पोसकर बड़ा करने वाले मां–बाप पर हुए वज्रपात का अहसास नहीं करते। उच्च तकनीकी संस्थान की दहलीज तक पहुंचने में बच्चे कितना शरीर को गलाते हैं। उन्हें पालने–पोसने व बड़ा करने में मां–बाप अपना खून पसीना एक कर देते हैं। हर बच्चा चांदी का चम्मच लेकर पैदा नहीं होता। उसके इस मुकाम तक पहुंचने में माता–पिता का त्याग शामिल होता है। कई अभिभावक बैंकों से कर्ज लेकर इन तकनीकी संस्थानों में बच्चों का एडमिशन कराते हैं। कई पैरेंट्स इस लायक बनाने के लिये पैसा कोचिंग संस्थानों में बहाते हैं। फिर एक दिन खबर आती है कि उनकी उम्मीदों ने आत्मघात कर लिया। हमें उनके दर्द को अपने दर्द की तरह महसूस करना चाहिए। इन घटनाओं के बाद एनआईटी ने एक पांच सदस्यीय जांच समिति बनायी है। लेकिन क्या समिति उन बच्चों का जीवन लौटा पाएगी? दूसरी ओर राज्यसभा सांसद जॉन ब्रिटास ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री से प्रकरण में तुरंत हस्तक्षेप करने की मांग की है। वहीं एनआईटी ने छात्रों की समस्याओं को दूर करने के लिये कुछ अलग समितियां भी बनायी हैं। देश के विभिन्न उच्च तकनीकी संस्थानों में छात्रों के आत्मघात की खबरें अकसर आती हैं। कुछ साल पहले शिक्षा मंत्रालय ने संसद को बताया था कि साल 2018–2023 के बीच उच्च शिक्षा संस्थानों के 98 छात्रों ने आत्महत्या की थी। इनमें सबसे ज्यादा सबसे प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थान आईआईटी में हुई थी। उसके बाद आत्मघात करने वाले छात्र एनआईटी और केंद्रीय विश्वविद्यालयों के थे। जाहिर है इन संस्थानों में कुछ तो ऐसा घट रहा है, जिससे हमारी संवेदनशील प्रतिभाएं साम्य नहीं बैठा पा रही हैं। विडंबना यह है कि देश के हर संस्थान व शासन–प्रशासन के स्तर पर आग लगने पर कुआं खोदने की मनोवृत्ति बनी हुई है। इन संस्थानों में पूरे देश की चुनिंदा प्रतिभाएं ही पहुंचती हैं। जो एक गलाकाट स्पर्धा के दौर से गुजरकर यहां तक आती हैं। लेकिन हमारी शिक्षा व्यवस्था का ढांचा ऐसा है जो बच्चों को किताबी कीड़ा तो बनाता है, लेकिन चुनौतियों से जूझने लायक नहीं बनाता। अब वे शिक्षक भी नहीं रहे जो छात्रों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखकर पढ़ाएं। बड़ी संख्या ऐसे शिक्षकों की है जिनकी प्राथमिकता अपने विषय और वेतन–भत्तों व सुविधाओं तक ही सीमित रह गई है। परवरिश के स्तर पर भी नहीं सिखाया जाता कि जीवन में बुरे से बुरा घटने पर बिना विचलित हुए कैसे उस चुनौती का सामना किया जाए। परिवार की उम्मीदों का बोझ ढोते, ये प्रतिभावान बच्चे जब असफलता के भय से ग्रस्त होते हैं तो आत्महत्या को अंतिम विकल्प के रूप में सोचने लगते हैं। ऐसी घटनाएं होने पर शिक्षण संस्थानों द्वारा फौरी तौर पर जो कदम उठाये जाते हैं, वे कारगर साबित नहीं होते। किसी आत्महत्या का मामला प्रकाश में आने के बाद हाय–तौबा होती है, तब घोषणाएं होती हैं। फिर वही ढाक के तीन पात। तनाव से गुजरते छात्रों पर पैनी नजर रखने की जरूरत होती है। ये बच्चे बेहद संवेदनशील व ईमानदार होते हैं, जो अपने को साबित न कर पाने पर आत्मघात की राह चुन लेते हैं। समय रहते उनकी पहचान करके संस्थान प्रबंधन व अभिभावकों को उनकी मनोवैज्ञानिक सहायता करनी चाहिए। इन प्रतिभाओं को तनाव के दानव का ग्रास बनने से रोके जाने की जरूरत है।

चुनाव आयोग की भूमिका पर संदेह और सवालों का घेरा

राजेश पांडेय

भारतीय संविधान की धारा 326 के अनुसार लोकसभा और हर राज्य की विधानसभा के लिए चुनाव वयस्क मताधिकार के आधार पर होंगे। प्रत्येक व्यक्ति जो भारत का नागरिक है और 18 वर्ष की आयु का है, उसे चुनाव में वोटर के बतौर दर्ज होने का अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट अपने कई फैसलों में इस अधिकार का जिक्र कर चुका है। लेकिन, इस बार पश्चिम बंगाल विधानसभा के लिए हो रहे चुनाव में लगभग 27 लाख वोटर मतदान नहीं कर पाएंगे। यह स्थिति असाधारण है। देश में निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव की अवधारणा पर गंभीर आघात है। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत नई वोटर लिस्ट बनाने की प्रक्रिया ने कई सवाल खड़े किए हैं। सुप्रीम कोर्ट भी मतदान के संवैधानिक हक की रक्षा के लिए अब तक निर्णायक कदम नहीं उठा सका है। चुनाव आयोग ने हर साल और चुनाव पूर्व होने वाले विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसएसआर) की बजाय 27 अक्टूबर 2025 को बंगाल सहित 12 राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर कराने की घोषणा की थी। पिछले साल बिहारमें विधानसभा चुनाव से सिर्फ पांच माह पहले एसआईआर कराने पर विवाद उठे थे। मामले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई। सर्वोच्च अदालत के कहने पर आयोग ने आधार कार्ड को पहचान के दस्तावेजों में शामिल करने सहित कुछ सुधार किए थे। कोर्ट ने चुनाव से पहले एसआईआर की विवादित प्रक्रिया को रोकने की जरूरत नहीं समझी थी। बंगाल के हालात तो बेहद चिंताजनक और विवादास्पद हैं। एसआईआर की नई प्रक्रिया सामान्य लोगों के लिए कठिन है। एसएसआर में मौजूदा सूची में वोटरों के नाम जोड़े और काटे गए थे। लेकिन एसआईआर में सूचियां नए सिरे से बनी हैं। पहले पुनरीक्षण में बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) घर–घर जाकर अपने रजिस्टर में मतदाताओं की संख्या और उनके ब्योरे की जांच करते थे। लेकिन एसआईआर के लिए अपूर्व तरीका अपनाया गया है। सभी वोटरों के लिए गणना फार्म भरने की समय सीमा एक माह तय की गई है। कुछ श्रेणी के वोटरों के लिए नागरिकता सहित कई अन्य दस्तावेज जमा करना जरूरी है। बंगाल में दूसरे राज्यों से अलग हटकर प्रक्रिया अपनाई गई है। वहां तार्किक विसंगतियों के नाम पर प्रक्रिया को पेचीदा बना दिया है। यह बदलाव संदेह और सवालों का घेरा खड़ा करता है। चुनाव आयोग का मानना है कि जो वोटर नई सूची में इस वक्त नहीं हैं, उनका या तो 2002–03 की सूचियों से संबंध साबित नहीं हुआ है या उनके मामलों में कुछ तार्किक विसंगतियां हैं। तार्किक विसंगतियों को पांच कैटेगरी में बांटा गया है, इनमें नाम की वर्तनी में अंतर, माता–पिता और वोटर की आयु के बीच अंतर, एक ही परिवार या पूर्वज से जुड़े छह से अधिक लोग जैसे बिंदु शामिल हैं। नतीजतन कुछ परिवारों के कई सदस्य तो सूची में हैं जबकि कुछ बाहर कर दिए गए हैं। बंगाल के संबंध में सुप्रीम कोर्ट की एक बेंच की 13 अप्रैल को गई टिप्पणियों पर गौर करना जरूरी है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत के नेतृत्व की खंडपीठ के जस्टिस जोयमाल्या बागची ने कहा कि ' जिस देश में आपका जन्म हुआ है,वहां वोटर लिस्ट में रहना और मताधिकार न केवल संवैधानिक बल्कि भावनात्मक भी है। एक लोकतांत्रिक सरकार चुनने की प्रक्रिया में आपकी हिस्सेदारी नागरिकता और राष्ट्रभक्ति की सबसे बड़ी अभिव्यक्ति है। हमें इस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। जस्टिस बागची ने यह भी कहा कि मूल एसआईआर में 2002 की सूचियों में शामिल लोगों की जांच का प्रावधान नहीं था। उन्होंने कहा कि यदि किसी निर्वाचन क्षेत्र में जीत का मार्जिन 2 फीसदी है और 10 फीसदी वोटर हटाए गए हैं तो हम ऐसे मामलों की जांच करेंगे'। कोर्ट ने उन वोटरों को मतदान की अनुमति दे दी है जिन्हें ट्रिब्यूनल की हरी झंडी मिल गई है। बहरहाल, उन 27 लाख वोटरों में से अधिकतर लोगों को राहत मिलने की उम्मीद नहीं है जिनके नाम कटे हैं। टाइम्स ऑफ इंडिया की खबर के मुताबिक 17 अप्रैल तक बंगाल की मतदाता सूचियों में एक भी नाम नहीं जुड़ा था। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर एक कांग्रेस प्रत्याशी सहित दो लोगों के नाम जुड़े थे। सुप्रीम कोर्ट ने एसआईआर की प्रक्रिया में तमाम पेचीदगियों के बावजूद उसे सही ठहराया है। कोर्ट मानता है कि मूल एसआईआर में 2002 की सूचियों की जांच का प्रावधान नहीं था। फिर भी, उसे रोकने की जरूरत नहीं समझी गई है। इन सुझावों पर गौर नहीं किया गया है कि जिन राज्यों में चुनाव होने वाले हैं, वहां प्रक्रिया को चुनाव नतीजे आने तक स्थगित कर दिया जाए। सवाल है,अगर ऐसे राज्यों में कुछ माह बाद एसआईआर होती तो क्या फर्क पड़ जाता। आयोग इतनी जल्दबाजी क्यों कर रहा है? 2002 की एसआईआर 12–13 माह में पूरी हुई थी। अब इस काम को पांच माह में निपटाने की क्या जरूरत है? आयोग ने एसआईआर की समयसीमा पर जताई गई तमाम आपत्तियों को नजरअंदाज किया है। उसने अपने अंदरूनी सिस्टम से आए सुझावों की अनदेखी की है। इंडियन एक्सप्रेस में 12 अप्रैल को प्रकाशित खबर के अनुसार महाराष्ट्र के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) एस चोकलिंगम ने 25 नवंबर 2025 को आयोग को लिखे एक पत्र में कहा कि प्रक्रिया पूरी करने के लिए पर्याप्त समय दिया जाना चाहिए। वैसे, महाराष्ट्र उन 12 राज्यों में नहीं है जहां एसआईआर हुई है। आयोग ने एसआईआर पर राज्यों की राय मांगी थी। पत्र में उल्लेख है कि महाराष्ट्र में नवंबर 2001 से दिसंबर 2002 के बीच यह काम हुआ था। इसके पीछे वोटरों के नाम काटने का नहीं बल्कि सूची को संशोधित करने का आइडिया है। लिहाजा, इस उद्देश्य के लिए आवश्यक समय दिया जाना चाहिए। पत्र में वोटरों के मौजूदा डेटा का पिछली एसआईआर के डेटा से मिलान करने पर भी सवाल उठाया है। लिखा है, इस काम में ज्यादा समय लगता है और यह चुनाव आयोग की गाइडलाइन में भी शामिल नहीं है। महाराष्ट्र के सीईओ का पत्र ही चुनाव आयोग की नीयत को जांच के दायरे में लाता है। लगता है, एसआईआर का मकसद वोटर लिस्ट को साफ–सुथरा बनाने की बजाय वोटरों के नाम काटने का है। लेकिन चुनाव आयोग बेरोकटोक अपने हिसाब से काम कर रहा है। उसे अहसास है कि मौजूदा दौर में उसकी जवाबदेही तय करना बेहद मुश्किल है। चुनाव आयुक्तों के चयन का तरीका और उनके अधिकार बताते हैं कि वे अपने तरीके से काम करते रहेंगे और उनका कोई कुछ नहीं बिगाड़ पाएगा। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेंद्र कुमार के खिलाफ विपक्षी दलों द्वारा संसद में पेश महाभियोग प्रस्ताव का हश्र इशारा करता है कि उन्हें सत्ताधारी दल की तरफ से अभयदान मिला है। लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति ने प्रस्ताव को मंजूरी नहीं दी है। दोनों सदनों में चर्चा और मतदान की नौबत तक नहीं आने दी गई। अगर प्रस्ताव को आगे बढने की इजाजत मिलती तो संसद की जांच समिति बनती, रिपोर्ट आती, उस पर चर्चा होती। इससे भविष्य के लिए अच्छी मिसाल बन सकती थी। लेकिन, ऐसा नहीं होने दिया गया है। मौजूदा एसआईआर देश में लोकतंत्र की मूल भावना के खिलाफ है। हमारे राजनेता भारत के दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने पर गर्व करते नहीं थकते हैं। लेकिन, अब उसकी प्रतिष्ठा, गरिमा और पवित्रता खतरे में है। उसकी रक्षा करने वाली संवैधानिक संस्थाएं और तंत्र यह सब होते हुए देख रहे हैं।

मणिपुर में फिर हिंसा

पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर कुछ वक्त की घोषित शांति के बाद एक बार फिर से सुलग उठा है। बीते सात अप्रैल को बिशनुपुर जिले के त्रोंगलाओबी गांव में हुए बम विस्फोट में एक बीएसएफ जवान के दो नाबालिग बच्चे मारे गए, जबकि उनकी मां घायल हो गईं। मृतकों में एक पांच महीने का नवजात शामिल था। मैतेई नागरिक समाज समूहों ने आरोप लगाया है कि चुड़ाचांदपुर के कुकी–जो उग्रवादी समूह इस हमले के पीछे हैं और उन्होंने केंद्रीय सुरक्षा बलों को हटाने की मांग भी की है। इस घटना के बाद मैतेई समुदाय के लोगों ने भारी प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा बलों के कैंप पर हमला बोल दिया। अफवाहों का सहारा लेकर कुछ लोग कैंप में घुसने और हथियार लूटने की कोशिश करने लगे। स्थिति नियंत्रण से बाहर होते देख सीआरपीएफ जवानों ने फायरिंग की, जिसमें तीन स्थानीय निवासी मारे गए। इस तरह पांच मौतें पिछले 10 दिनों में हो चुकी हैं। राज्य में अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है, जिससे स्थानीय लोगों में गुस्सा बढ़ता जा रहा है। मेइरा पाइबी समूहों ने घाटी क्षेत्रों में पांच दिन का बंद बुलाया है और 25 अप्रैल तक दोषियों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए चेतावनी दी है कि अगर कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन और तेज होगा। मुख्यमंत्री कार्यालय और गृह मंत्री ने शांति की अपील की है, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। स्थानीय लोग न्याय की मांग कर रहे हैं और आरोप लगा रहे हैं कि सुरक्षा बल हमलावरों की पहचान करने में नाकाम रहे हैं। फिलहाल इंटरनेट सेवाएं कई जिलों में निलंबित हैं और तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। यह सब देखकर भी अगर केंद्र सरकार और मणिपुर की बीजेपी सरकार जागती नहीं है, तो यह देश के लिए बेहद दुखद होगा कि एक राज्य पिछले 3 सालों से लगातार हिंसा की आग में झुलस रहा है और सरकार इसी फिक्र में है कि उसकी सियासी रोटी वहां पकेगी या नहीं। गौरतलब है कि इससे पहले मई 2023 में जो हिंसा मणिपुर में शुरु हुई थी, उसमें अब तक कम से कम 260 लोगों की जान जा चुकी है और लगभग 60,000 लोग विस्थापित हुए हैं। यह हिंसा सबसे पहले मैतेई और कुकी समुदायों के बीच शुरू हुई थी और अब लगभग सभी समूह इसमें शामिल हो गए हैं। मणिपुर में मैतेई और कुकी पहले भी मिल–जुलकर नहीं रहते थे, मैतेई समुदाय मुख्य रूप से इंफाल घाटी के मैदानी इलाकों में रहते हैं, जबकि कुकी पहाड़ी क्षेत्रों में निवास करते हैं। लेकिन तीन सालों की हिंसा के बाद अब मैतेई और कुकी न केवल अपने–अपने क्षेत्रों में सिमट गए हैं, बल्कि एक समुदाय के लोग दूसरे समुदाय के इलाके में जाने का जोखिम भी नहीं उठाते। एक राज्य के भीतर ऐसा बंटवारा एक भारत–श्रेष्ठ भारत के अनुरूप तो बिल्कुल नहीं है, लेकिन मोदी सरकार यह सब देखकर भी आंख फेर रही है। 2023 में हिंसा इसलिए भडकी थी, क्योंकि मैतेई समुदाय की अनुसूचित जनजाति दर्जा की मांग पर मणिपुर हाईकोर्ट ने फैसला लिया था कि मैतेई समुदाय को एसटी सूची में शामिल किया जाए। 2012 से ही मैतेई समुदाय यह मांग कर रहा था ताकि उन्हें आरक्षण, सरकारी नौकरियों और शिक्षा में लाभ मिले। लेकिन तब कुकी–जो समुदाय ने डर जताया कि एसटी दर्जा मिलने पर मैतेई पहाड़ी क्षेत्रों में जमीन खरीद सकेंगे।

सीमा वर्णिका की कलम से

'डैफोडिल'

बसंत ऋतु की हल्की धूप जया को अच्छी लग रही थी। पीले डैफोडिल फूलों से भरा लॉन मनमोहक छटा बिखेर रहा था।

रामू एक कप चाय बना दो. . सिर भारी हो रहा,' जया ने रामू की तरफ देखते हुए कहा।

रात काफी लंबी बीती.. शशांक की बातें उसके दिमाग में घूम रही थी, सोच नहीं पा रही थी क्या निर्णय ले।

एक लंबा अरसा बीत गया राहुल के देहांत के बाद अकेले रहते अब तो अकेलापन भी भला सा लगने लगा है , वह सोच में डूबी खुद से बातें कर रही थी।

रिटायरमेंट से पहले बहुत वक्त नौकरी में निकल जाता था। दिन भर की थकान के बाद कुछ भी खा पीकर निढाल हो सो जाती थी, ष्जया के दिमाग में रील चल रही थी।

जया! मैं भी अकेला परेशान रहता.. तुम भी अकेली.. हमारे विचार भी मिलते.. क्या हम दोनों शेष जीवन साथ नहीं काट सकते, शशांक के यह शब्द उसके कानों में गूंज रहे थे ।

लोग क्या कहेंगे.. यह बहुत बड़ी बाधा थी कुछ भी निर्णय लेने से पहले, उसके दिमाग में मंथन चल रहा था ।

रामू मैं बाहर जा रही हूँ मेरा खाना न बनाना, जया कहते हुए अपने कमरे में चली गई ।

थोड़ी देर बाद वो तैयार होकर घर से बाहर निकल आई । ऑटो लेकर शशांक के घर पहुँच गई ।

क्या सोचा फिर तुमने जया, शशांक प्रश्नवाचक निगाहों से उसकी तरफ देखते हुए बोला।

मैं तैयार हूँ शशांक जी, जया ने आत्मविश्वास से भर कर मुस्कुराते हुए कहा।

अरे वाह! यह तो खुशखबरी है, शशांक खुश होते हुए बोला।

लेकिन मेरी एक शर्त है मानोगे, जया बोली।

क्या .., शशांक ने उसकी तरफ देखते हुए पूछा।

हम लोग किसी दूसरे शहर में रहेंगे ..क्या मंजूर है.., जया शशांक की आँखों में झाँक कर बोली।

मंजूर ..मंजूर.. मंजूर.. शशांक पूरे उत्साह सहित जोर से बोला।

वह हाथों से किसी भी कीमत पर खुशियाँ फिसलने नहीं देना चाहता था।

बसंती बयार आज कुछ ज्यादा ही मादक हो गई थी डैफोडिल उसके चारों ओर बिखर गए थे शशांक ने कसकर जया का हाथ पकड़ लिया।

सीमा वर्णिका, कानपुर

बंगाल चुनाव में महिलाओं की होगी निर्णायक भूमिका

तीर्थंकर मित्रा

बयानबाजी, नए गठजोड़ और आपसी आरोपों–प्रत्यारोपों के बीच, पश्चिम बंगाल की महिला मतदाताएं पिछले एक दशक में एक शक्तिशाली ताकत के रूप में उभरी हैं, क्योंकि उनके फैसले अब सरकारों के भविष्य को तय करने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस, जिसका पिछले 15 सालों से राज्य पर एकछत्र राज रहा है, ने इस चुनावी मुकाबले में सबसे ज्यादा

महिला उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। कुल मिलाकर, पिछली राज्य विधानसभा में टीएमसी की ओर से 41 महिला विधायकों ने प्रतिनिधित्व किया था। तेज–तर्रार नेता ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली इस राजनीतिक पार्टी ने देश भर की अन्य राजनीतिक पार्टियों की तुलना में ज्यादा महिलाओं को चुनाव में उतारा है। यह विधानसभा की कुल सदस्य संख्या का 13.94 प्रतिशत है, जो कि देश भर की अन्य राज्य विधानसभाओं के 8 प्रतिशत के राष्ट्रीय औसत से काफी ज्यादा है। टीएमसी की बदौलत, महिला मतदाताएं अब चुनावी समीकरणों में सिर्फ एक सहायक भूमिका नहीं निभा रही हैं। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, पश्चिम बंगाल में 3,76,00,611 महिला मतदाताएं हैं। आने वाले चुनावों में सभी उम्मीदवार इस वर्ग को अपने पक्ष में करने की पूरी कोशिश करेंगे, ताकि वे राजनीतिक माहौल को अपने पक्ष में मोड़ सकें। टीएमसी सरकार की प्रमुख सामाजिक कल्याण योजना, 'लक्ष्मी भंडार' ने लोगों की राजनीतिक निष्ठाओं और उनकी आर्थिक वास्तविकताओं को पूरी तरह से बदल दिया है। 2021 में शुरू की गई इस योजना के 2.2 करोड़ लाभार्थी हैं, और इस पर खर्च किए गए हजारों करोड़ रुपये की राशि ने टीएमसी को लगातार चुनावों में जबरदस्त राजनीतिक फायदा पहुंचाया है, जिससे विपक्षी दलों के लिए अपनी जगह बना पाना और भी मुश्किल हो गया है।'लक्ष्मी भंडार' महज एक आर्थिक हस्तक्षेप से कहीं ज्यादा है। यह एक सामाजिक–राजनीतिक पुनर्संतुलन का प्रयास है। इस योजना ने महिलाओं को, सिर्फ अपने लिंग के आधार पर ही, इस योजना का लाभार्थी बनने का अवसर प्रदान किया है। इसके परिणामस्वरूप, मतदान का अधिकार अब महिला मतदाताओं के लिए अपनी पहचान और अपनी बात को जोरदार ढंग से रखने का एक सशक्त माध्यम बन गया है। आंकड़े खुद–ब–खुद अपनी कहानी बयां करते हैं। जहां टीएमसी ने 52 महिला उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है, वहीं वामपंथी दलों ने 34 महिला उम्मीदवारों को टिकट दिया हैय जबकि 2026 के राज्य विधानसभा चुनावों में कांग्रेस और भाजपा ने क्रमशरू 35 और 33 महिला उम्मीदवारों को चुनाव में उतारा है। इसमें कोई हैरानी की बात नहीं है कि टीएमसी ने बड़ी संख्या में महिला मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने के मुद्दे पर अपनी आवाज बुलंद की है। राज्य टीएमसी की महिला विंग की प्रमुख चंद्रिमा भट्टाचार्य ने कहा कि महिला मतदाताओं के नाम हटाए जाने का मकसद उनकी पार्टी के वोट बैंक को नुकसान पहुंचाना है। लेकिन राज्य में महिलाओं के लिए चलाई जा रही सामाजिक कल्याण योजनाएं ही टीएमसी के पक्ष में महिलाओं के वोटों में आए बदलाव का एकमात्र कारण नहीं हैं। पश्चिम बंगाल की महिला मतदाताएं लंबे समय से अपनी गहरी राजनीतिक समझ के लिए जानी जाती रही हैं।उनके फैसले लेने का तरीका पारिवारिक चर्चाओं, सामाजिक दायरों और आखिर में वोटिंग बूथ की एकांत जगह में सामने आता है। यह पूरी तरह से राजनीतिक होता है और राज्य तथा महिला नागरिकों के बीच बदलते आपसी तालमेल से तय होता है। लेकिन महिला मतदाताओं के समर्थन को हल्के में नहीं लिया जा सकता। यह न तो एक जैसा होता है और न ही इसका पहले से अंदाजा लगाया जा सकता है। लक्ष्मी भंडार, कन्याश्री, रूपाश्री जैसी महिलाओं पर केंद्रित कुछ सामाजिक कल्याण योजनाओं के लाभार्थियों के वोट टीएमसी को ही मिलेंगे, इसकी कोई गारंटी नहीं है। ये योजनाएं बस इस बात को पक्का करती हैं कि टीएमसी के राजनीतिक परिदृश्य में महिलाओं की मौजूदगी को सम्मान की नजर से देखा जाए। महिला मतदाताओं के एक बड़े हिस्से को अपने पाले में करने के लिए, चुनावी प्रचार के तरीके में एक सूक्ष्म लेकिन महत्वपूर्ण बदलाव किया गया है। चुनाव प्रचार संभालने वालों को इस बात को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए कि कोलकाता की महिला मतदाताओं की प्राथमिकताएं, ग्रामीण इलाकों की महिलाओं की प्राथमिकताओं से अलग होंगी।

प्रेम, दर्द और मोक्ष की कहानी फिर लौटेगी,"अवारापन 2" का बड़ा एलान

बॉलीवुड में बहुप्रतीक्षित फिल्मों की सूची में अब एक और बड़ा नाम जुड़ गया है"अवारापन 2"। हाल ही में फिल्म के निर्माता–निर्देशक टीम ने आधिकारिक तौर पर इसकी रिलीज डेट की घोषणा कर दी है। यह फिल्म 14 अगस्त 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस घोषणा के साथ ही फैंस के बीच उत्साह की लहर दौड़ गई है, क्योंकि यह फिल्म 2007 में आई कल्ट क्लासिक "अवारापन" का सीक्वल है। "अवारापन" अपने समय की एक ऐसी फिल्म थी जिसने बॉक्स ऑफिस पर भले ही औसत प्रदर्शन किया हो, लेकिन समय के साथ यह दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाने में सफल रही। फिल्म की कहानी, इमोशनल गहराई और खासतौर पर इसके संगीत ने इसे एक यादगार फिल्म बना दिया। अब लगभग दो दशक बाद इसका सीक्वल आना अपने आप में एक बड़ी बात है। "अवारापन 2" में एक बार फिर इमरान हाशमी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। उनके किरदार शिवम को दर्शकों ने पहले भाग में बेहद पसंद किया था। उनके अभिनय में जो दर्द, प्रेम और संघर्ष की झलक थी, उसने फिल्म को एक अलग पहचान दी थी। इस बार भी उम्मीद की जा रही है कि वह अपने किरदार में उसी गहराई को लेकर लौटेंगे। फिल्म की एक और खास बात है दिशा पटानी की एंट्री। यह पहली बार होगा जब वह इस फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनेंगी। दिशा ने अपने करियर में "एम. एस. धोनीरू द अनटोल्ड स्टोरी", "बागी 2", "मलंग" और "कल्कि 2898 एडी" जैसी फिल्मों में काम किया है। उनकी मौजूदगी फिल्म में एक नया आयाम जोड़ सकती है और दर्शकों को कुछ अलग देखने को मिल सकता है। फिल्म का निर्देशन नितिन कक्कड़ कर रहे हैं, जो अपनी अलग तरह की कहानी कहने के लिए जाने जाते हैं। वहीं, इसकी कहानी बिलाल सिद्दीकी ने लिखी है। निर्माता के रूप में विशेष भट्ट इस प्रोजेक्ट को संभाल रहे हैं, जिन्होंने पहले भी कई सफल और यादगार फिल्में दी हैं। उन्होंने कहा है कि "अवारापन" सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक भावना है, जिसे बड़े पर्दे पर ही सही तरीके से महसूस किया जा सकता है। फिल्म की कहानी को लेकर अभी ज्यादा खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन इसे एक एक्शन–ड्रामा बताया जा रहा है, जिसमें प्रेम, मृत्यु और मुक्ति जैसे गहरे विषयों को छुआ जाएगा। साथ ही, फिल्म में बड़े पैमाने पर शूट किए गए दृश्य और विदेशी लोकेशंस भी देखने को मिल सकते हैं।"अवारापन 2" की रिलीज डेट भी काफी रणनीतिक तरीके से चुनी गई है। 14 अगस्त का समय भारत में स्वतंत्रता दिवस के आसपास का होता है, जब सिनेमाघरों में दर्शकों की संख्या अधिक होती है। ऐसे में फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर अच्छा फायदा मिलने की उम्मीद है।फिलहाल फिल्म अपने अंतिम प्रोडक्शन चरण में है और मुंबई में इसकी शूटिंग पूरी होने की कगार पर है। सोशल मीडिया पर फिल्म की पहली झलक साझा की जा चुकी है, जिसने दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। कुल मिलाकर, "अवारापन 2" सिर्फ एक सीक्वल नहीं, बल्कि एक भावनात्मक यात्रा का अगला अध्याय है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या यह फिल्म अपने पहले भाग की तरह दर्शकों के दिलों में वही जगह बना पाती है या नहीं।

> विजय से हटकर रश्मिका की मेहंदी ड्रेस की बात करें तो उनके दुपट्टे में मां लक्ष्मी का चित्र बना है। भारतीय परिवारों में नई दुल्हन को मां लक्ष्मी का रूप माना जाता है। मां लक्ष्मी का आशीर्वाद रश्मिका को मिले, इसलिए डिजाइनर ने सुंदर चित्र उनके दुपट्टे पर बनाया है।

8 मई को बदलेगा फिल्म देखने का अनुभव, 'आखरी सवाल' के साथ नया इतिहास

संजय दत्त स्टारर आखरी सवाल सबसे प्रतीक्षित फिल्मों में से एक बनकर उभरी है, और दर्शक इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अपनी अनाउंसमेंट के साथ काफी चर्चा बटोरने के बाद, मेकर्स ने हनुमान जन्मोत्सव के मौके पर फिल्म का टीजर जारी किया, जो दुनिया के सबसे बड़े स्वैच्छिक संगठन, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के इतिहास की एक ऐसी झलक दिखाता है जो पहले कभी नहीं देखी गई। जहाँ यह फिल्म एक लीक से हटकर विषय के साथ आ रही है, वहीं यह अपने अनोखे नजरिए के लिए भी खास है, क्योंकि यह इंडियन साइन लैंग्वेज (भारतीय सांकेतिक भाषा) में उपलब्ध होने वाली पहली हिंदी फीचर फिल्म होगी। हाँ, आखरी सवाल दर्शकों के लिए सिनेमा देखने के अनुभव को एक नई पहचान देने वाली है। सिनेमा को करोड़ों लोगों तक पहुँचाने की अहमियत को समझते हुए, मेकर्स ने इसे साइन लैंग्वेज (सांकेतिक भाषा) में रिलीज करने का एक बड़ा कदम उठाया है। यह आईएसएल (इंडियन साइन लैंग्वेज) में आने वाली पहली हिंदी फीचर फिल्म बन गई है। भारत में लगभग 4 से 5 करोड़ लोग दृष्टिबाधित या सुन–बोल पाने में असमर्थ हैं, और यह फिल्म उन तक भी पहुँच पाएगी। पहले दिन से ही फिल्म आईएसएल में उपलब्ध होगी, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि यह ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुँचे और हमारा इतिहास कई और लोगों के लिए सुलभ हो सके। आखरी सवाल का निर्देशन नेशनल अवॉर्ड विनर फिल्ममेकर अभिजीत मोहन वारंग ने किया है। निखिल नंदा द्वारा पेश की गई इस फिल्म के प्रोड्यूसर निखिल नंदा और संजय दत्त हैं, जबकि पुनीत नंदा, डॉ. दीपक सिंह, गौरव दुबे और उज्जवल आनंद इसके को–प्रोड्यूसर हैं। फिल्म की कहानी, पटकथा और संवाद उत्कर्ष नैथानी ने लिखे हैं। यह फिल्म 8 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

थ्रोबैकः आज भी प्रेरणादायी है `चंदू चैंपियन' के लिए कार्तिक आर्यन का शानदार ट्रांसफॉर्मेशन सफर

कार्तिक आर्यन का चंदू चैम्पियन के लिए किया गया ट्रांसफॉर्मेशन उनकी करियर की सबसे प्रेरणादायक यात्राओं में से एक माना जाता है। कबीर खान के निर्देशन में बनी इस फिल्म के लिए उन्होंने भारत के पहले पैरालंपिक गोल्ड मेडलिस्ट मुरलीकांत पेटकर के किरदार को पूरी ईमानदारी के साथ निभाने के लिए जबरदस्त मेहनत की थी। यह भूमिका उनके करियर में न सिर्फ एक मील का पत्थर साबित हुई, बल्कि इस फिल्म के लिए उन्हें अपना पहला फिल्मफेयर बेस्ट एक्टर अवॉर्ड भी मिला। गौरतलब है कि करीब 14 महीनों की कड़ी मेहनत में कार्तिक ने लगभग 18 किलो वजन कम किया था। अपने बॉडी फैट को उन्होंने 39प्रतिशत से घटाकर 7प्रतिशत तक लाया था और वो भी पूरी तरह नैचुरल तरीके से। उनका मकसद सिर्फ स्क्रीन पर फिट दिखना नहीं था, बल्कि एक असली खिलाड़ी की ताकत, सहनशक्ति और अनुशासन को जीना था। कार्तिक की इस ईमानदार कोशिश की तारीफ करते हुए एक इंटरव्यू में उनके ट्रेनर त्रिदेव पांडेय ने उनकी मेहनत के बारे में बताया था कि कार्तिक ने शूटिंग और ट्रेनिंग को साथ–साथ बैलेंस करते हुए जबरदस्त मेहनत की थी। हम चाहे पंचगनी, कश्मीर या महाबलेश्वर में हों, कार्तिक सुबह जल्दी उठकर रनिंग और बॉक्सिंग ड्रिल्स करते थे। इसके अलावा शाम को चाहे कितनी भी देर हो हो जाए, लेकिन वे कम से कम 45 मिनट स्ट्रेंथ ट्रेनिंग जरूर करते थे। हालांकि सीमित आराम के बावजूद, बर्नआउट से बचना भी जरूरी था। त्रिदेव पांडेय ने यह भी बताया था कि कार्तिक के इस ट्रांसफॉर्मेशन का एक बड़ा हिस्सा उनकी सख्त डाइट और लाइफस्टाइल में बदलाव था। इसके लिए कार्तिक ने लगभग 1.5 से 2 साल तक पूरी तरह शुगर छोड़ दी थी, जो उनके लिए सबसे कठिन था। इसके अलावा उन्होंने कैलोरी–डेफिसिट और हाई–प्रोटीन डाइट अपनाई थी, सामान्य चावल की जगह कॉलीफ्लावर राइस लिया था, प्रोसेस्ड फूड से पूरी तरह दूरी बनाई थी और पूरी तरह पोर्शन–कंट्रोल्ड मील्स पर थे। हालांकि उनके इस बदलाव की मजबूत नींव रखने में फिक्स्ड स्लीप शेड्यूल और रिकवरी रूटीन ने भी बहुत बड़ी भूमिका निभाई थी। इसके अलावा उनका फिटनेस रूटीन भी किसी प्रोफेशनल एथलीट से कम नहीं था। फिल्म में बॉक्सर, स्विमर, आर्मी ऑफिसर और एक एलीट स्पोर्ट्समैन के किरदार के लिए उन्होंने रोजाना घंटों तक बॉक्सिंग, स्विमिंग, स्ट्रेंथ ट्रेनिंग, एंड्योरेंस कंडीशनिंग और फंक्शनल वर्कआउट्स किए। उन्होंने स्किपिंग की कई तकनीकों में महारत हासिल की और एक्सपर्ट सुपरविजन में स्पोर्ट्स–विशेष ट्रेनिंग लेकर अपने शरीर को पूरी तरह ढाला। यही वजह है कि जब 'चंदू चैंपियन' रिलीज हुई थी, तो कार्तिक की इस मेहनत को दर्शकों के साथ क्रिटिक्स ने भी खूब सराहा था। इसके साथ ही फिल्म की भावनात्मक कहानी और प्रेरणादायक नैरेटिव को भी काफी पसंद किया गया था और कार्तिक का समर्पण और ईमानदारी फिल्म की सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरी थी। यही वजह है कि कार्तिक आर्यन का यह ट्रांसफॉर्मेशन सिर्फ एक फिटनेस अचीवमेंट नहीं, बल्कि एक अभिनेता के रूप में उनके विकास का महत्वपूर्ण पड़ाव साबित हुआ।

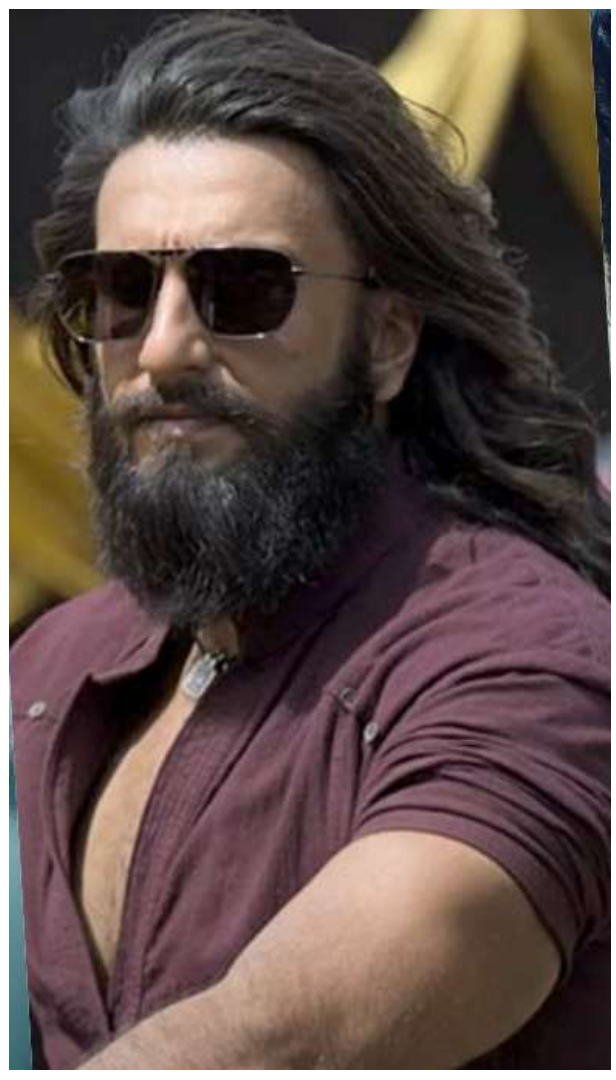

आदित्य धर को लगा था कि रणवीर सिंह 'धुरंधर' के लिए सबसे सही चुनाव हैं, मुकेश छाबड़ा ने भी की तारीफ

'धुरंधर' की जबरदस्त सफलता के साथ रणवीर सिंह भारतीय मनोरंजन जगत के नए सुपरस्टार के रूप में उभरे हैं। फिल्म लगातार टिकट खिड़की पर नए कीर्तिमान बना रही है और दर्शकों से भारी प्रतिक्रिया मिल रही है। फिल्म में रणवीर सिंह ने 'हमजा' का किरदार निभाकर उसे पूरी तरह जीवंत कर दिया है। उनके अभिनय की हर तरफ सराहना हो रही है और दर्शक उनके प्रदर्शन को करियर का सबसे बेहतरीन काम मान रहे हैं। कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा ने बताया कि रणवीर सिंह का चयन पहले से ही तय था। निर्देशक आदित्य धर शुरू से ही उन्हें इस भूमिका के लिए सबसे उपयुक्त मानते थे और उनका यह निर्णय बिल्कुल सही साबित हुआ। 'धुरंधर' ने भारत में 1000 करोड़ रुपये से अधिक की शुद्ध कमाई कर एक नया इतिहास रच दिया है। इस उपलब्धि के साथ रणवीर सिंह इस स्तर की सफलता हासिल करने वाले प्रमुख अभिनेताओं में शामिल हो गए हैं। फिल्म की सफलता के बाद रणवीर सिंह को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह है। अब फैंस उन्हें बड़े और भव्य प्रोजेक्ट्स में फिर से देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

कब हुई थी अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय की पहली मुलाकात

ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन फैंस की पसंदीदा बॉलीवुड जोड़ी में से एक है। हाल ही में दोनों ने अपनी शादी की 19वीं सालगिरह मनाई। उन्होंने अपनी बेटी आराध्या के साथ एक प्यारी तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की। हाल ही में अभिषेक बच्चन ने ऐश्वर्या को अपनी सोलमेट बताया और खुशहाल शादी का राज भी शेयर किया। डेक्कन क्रॉनिकल की एक खबर के अनुसार, एक इंटरव्यू में अभिषेक ने कहा कि उनकी ऐश्वर्या से पहली मुलाकात 2000 में फिल्म 'ढाई अक्षर प्रेम के' की शूटिंग के दौरान हुई थी। उस समय उन्हें बिल्कुल नहीं पता था कि ऐश्वर्या उनकी पत्नी बनेंगी। बाद में जेपी दत्ता की फिल्म 'उमराव जान' के सेट पर दोनों को एक–दूसरे से प्यार हो गया। अभिषेक ने बताया, फिल्म 'गुरु' रिलीज होने के कुछ महीने बाद हमारी शादी हो गई। मणिरत्नम हमारे बहुत खास दोस्त और गॉडफादर हैं। आज ऐश्वर्या सिर्फ मेरी पत्नी नहीं, बल्कि आराध्या की मां भी हैं। उन्होंने आराध्या को अच्छे संस्कार दिए। हमारी 19 साल की शादी एक सपने जैसी रही। अभिषेक ने आगे कहा, 20वीं शादी की सालगिरह के मेरे पास कुछ खास प्लान हैं, लेकिन अभी मैं उन्हें नहीं बताऊंगा। ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन जब भी साथ नजर आते हैं, तो उनके फैंस का दिन बन जाता है। हाल ही में अभिषेक ने अपनी खुशहाल शादी का राज भी बताया। अभिषेक ने कहा, हर रात सोने से पहले अपनी पत्नी से तीन बार 'सॉरी' जरूर कहो। ऐश्वर्या और अभिषेक ने 20 अप्रैल 2007 को भव्य लेकिन प्राइवेट शादी की थी। 2011 में उनकी बेटी आराध्या का जन्म हुआ। दोनों अपना निजी जीवन बहुत प्राइवेट रखते हैं। सोशल मीडिया पर तस्वीरें कम शेयर करते हैं, लेकिन अक्सर साथ–साथ बड़े कार्यक्रमों में नजर आते हैं। दोनों ने साथ में 'गुरु' के अलावा 'धूम 2', 'सरकार राज', 'बंटी और बबली', 'कुछ ना कहो' और 'रावण' जैसी फिल्मों में भी साथ काम किया है। अभिषेक अभी 'राजा शिवाजी' फिल्म की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। रितेश देशमुख द्वारा निर्देशित इस ऐतिहासिक एक्शन फिल्म में रितेश मुख्य भूमिका में हैं। संजय दत्त, महेश मांजरेकर, सचिन खेडेकर, भाग्यश्री, फरदीन खान, जितेंद्र जोशी, अमोले गुप्ते और जेनेलिया देशमुख भी इसमें हैं। यह फिल्म 1 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके अलावा अभिषेक निर्देशक सिद्धार्थ आनंद की फिल्म 'किंग' में भी काम कर रहे हैं। इसमें शाहरुख खान, दीपिका पादुकोण, सुहाना खान, जयदीप अहलावत, राघव जुयाल, सौरभ शुक्ला और अरशद वारसी जैसे कलाकार नजर आ सकते हैं। यह फिल्म 24 दिसंबर 2026 को रिलीज होगी।

घर का वास्तु दोष दूर करेंगे फिटकरी से जुड़े ये वास्तु उपाय, कलह-कलेश से भी मिलेगा छुटकारा

फिटकरी आपने कई बार इस्तेमाल की होगी लेकिन यह आपका भाग्य भी बदल सकती है इसके बारे में शायद आपको नहीं पता होगा। वास्तु शास्त्र में फिटकरी को लेकर कुछ ऐसे उपाय बताए गए हैं जो आपका जीवन बदल सकते हैं। आयुर्वेद और स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद मानी जाने वाली फिटकरी वास्तु के

अनुसार, भी बहुत ही लाभकारी मानी जाती है। तो चलिए आपको बताते हैं फिटकरी के कुछ ऐसे उपाय जो आपकी किस्मत बदल सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इनके बारे में...

दूर होगा घर का वास्तु दोष

यदि आपके घर में हर समय कलह–कलेश रहता है तो इसका एक कारण घर का वास्तु दोष हो सकता है। इसे दूर करने के लिए आप एक कटोरी में फिटकरी के कुछ टुकड़े रखें। यह कटोरी आप घर की ऐसी जगह में रखें यहां किसी की नजर न पड़े। समय–समय पर फिटकरी को बदलते रहें। इससे घर की नेगेटिव एनर्जी और वास्तु दोष दूर होने लगेंगे।

परिवार के सदस्य रहेंगे स्वस्थ

वास्तु दोष के कारण घर के सदस्यों पर भी इसका प्रभाव पड़ता है। इसके कारण अक्सर घर के लोग बीमार रहने लगते

हैं। ऐसे में घर में पोंछा लगाते समय पानी में फिटकरी डाल दें। फिटकरी वाले पानी का पोंछा लगाने से घर के लोगों का स्वास्थ्य भी एकदम सही रहेगा।

नहीं आएंगे बुरे सपने

यदि आपको सपने अच्छे नहीं आते और घर में हर समय परेशानियां रहती हैं तो सुख–शांति और धन में वृद्धि करने के लिए सोने से पहले एक कपड़े में फिटकरी बांधकर सिराहने या फिर तकिए के नीचे रख दें। इससे बुरे सपने नहीं आएंगे।

व्यापार में मिलेगी तरक्की

कई बार कड़ी मेहनत करने के बाद भी व्यक्ति को व्यापार में सफलता नहीं मिल पाती। इसका कारण घर में मौजूद वास्तु दोष भी हो सकता है। ऐसे में इसे दूर करने के लिए आप एक काले कपड़े में फिटकरी का टुकड़ा बांधें। इसे दुकान या ऑफिस के मुख्य द्वार पर लटका दें। इससे ऑफिस की नेगेटिविटी दूर होगी।

कलह–कलेश होगा दूर

वास्तु शास्त्र में दिशाओं का भी खास महत्व बताया गया है। ऐसे में खिड़की और दरवाजे के पास फिटकरी का टुकड़ा रखने से घर में नेगेटिव एनर्जी नहीं आएगी और कलह–कलेश भी दूर होगा। इसके अलावा आप शीशे की एक प्लेट में फिटकरी रखें। महीने–महीने बाद इसे बदलते रहें। इससे घर का कलह–कलेश भी दूर होगा।

घूंघट में भी सुंदर दिखती है राजस्थानी ब्राइडल, जानिए क्या है इस खूबसूरती का राज

हमारे देश की वैसे तो हर बात निराली है लेकिन यहां के पोशाक एवं आभूषण अक्सर हीं लोगों अपनी ओर आकर्षित कर ही दते हैं। अब राजस्थान को ही देख लीजिए यहां की महिलाओं की खूबसूरती किसी का भी मन मोह ले। यही कारण है कि इन राजस्थानी ब्राइडल लुक लड़कियों की पहली पसंद बन गया है। खूबसूरत लहंगे और हैवी ज्ध्वेलरी से लिपटी राजस्थानी दुल्ध्हन को एक बार देखकर तो मन हीं नहीं भरता है। राजस्थानी शादियों में दुल्हन हमेशा घूंघट में ही रहती है, लेकिन इसके बावजूद उनकी खूबसूरती में कोई कमी नहीं लगती है। अगर आप भी राजस्थानी ब्राइडल लुक की चाह रखती हैं तो आपको बताते हैं इससे जुड़ी खास बातें।

राजस्थानी पोशाक

सबसे पहले बात करते हैं राजस्थानी पोशाक की जिसकी जितनी तारीफ की जाए उतनी कम है। इस पोशाक में एक चोली, कुर्ती, लहंगा और चुनरी होती है इसमें कई तरह की वैरायटी मिल जाएगी। किसी में बूटी वर्क होता है तो किसी में स्टोन वर्क। कई दुल्हनें सोने या चांदी के धागे से बनी पोशाक भी पहनती हैं। परफेक्ट राजस्थानी लुक के लिए आपको कुर्ती स्टाइल में तैयार चोली पहननी चाहिए और पल्ला सीधा लेना चाहिए।

आड़

राजस्थान ज्वेलरी के बिना तो दुल्हन का लुक पूरा ही नहीं हो सकता है। राजस्थानी दुल्हन के गले में जो लंबा चौकर हार होता है उसे आड़ कह जाता है। इसे कीमती स्टोन्स से बनाया जाता है और छोटे मोतियों की मदद से इनके साथ झूमर जोड़ा जाता है। मूल रूप से राजस्थानी ब्राइड्स के बीच लोकप्रिय इस स्टेटमेंट नेकलेस ने अन्य ब्राइड्स के दिलों में भी खास जगह बना ली है। दुल्हन की जगह बाकी महिलाएं भी इसे पहनना पसंद करती हैं।

मांग टीका

माथा पट्टी और मांग टीका दुल्हन के साज–श्रृंगार को चार–चांद लगाने का काम करता है। बोरला मांग टीका कई एक्ट्रेस की भी पहली पसंद बन चुका है। इस मांग टीके को प्राचीन काल में रानियों द्वारा पहना जाता है जिसका अब भी चलन है। इसमें मोतियों और कीमती पत्थरों से जड़ी एक खूबसूरत डिजाइन होती है, जो आपको एक रॉयल दुल्हन का परफेक्ट लुक दे सकता है।

नथ

राजस्थान में महिलाएं गोल–बड़े आकार की हैवी नथ पहनना काफी पसंद करती हैं। राजस्थानी नथ न केवल पारंपरिक लुक को पूरा करती है बल्कि दुल्हन की खूबसूरती को चार चांद भी लगा देती है। इस नथ पर मोती–कलरफुल स्टोन्स का बेहतरीन काम किया होता है। ध्यान रहें यह नथ हैवी होती है ऐसे में दुल्हन कुछ समय के लिए ही इसे कैरी कर पाती हैं।

बाजूबंद

राजस्थान में बाजूबंद को कई नामों से पुकारा जाता है। जैसे राजपूती बाजूबंद, राजस्थानी बाजूबंद, जोधपुरी बाजूबंद, इत्यादि। अगर आप भी किसी शाही दुल्हन की तरह सजने–संवरने की चाहती हैं तो राजस्थानी बाजूबंद पहनना ना भूलें। जोधा अकबर और पद्मावत में दीपिका ने बाजूबंद पहनकर इसकी लोकप्रियता बढ़ा दी थी।

कमरबंद

कमरबंद राजस्थान का पारंपरिक गहन है, वर्षों से महिलाएं इसे पहनती आई हैं। इसके खास बात यह है कि ये आउटफिट्स को सिक्योर करने का काम करता है। इसे आप पसंद के हिसाब से खरीद सकती हैं।

सावधान! तांबे के बर्तन में रखा पानी इन 3 गलतियों के कारण बन जाता है जहर

पहले लोग जहां स्टील के बजाए पीतल के बर्तनों का इस्तेमाल करते हैं, आज लोग तांबे के बर्तन का फायदे देखकर उसी में पानी पीना पसंद करते हैं। बाजार में भी कई तरह के स्टाइलिश बर्तन आपको मिल जाएंगे। आयुर्वेद में माना गया है कि तांबे के बर्तन में रखा पानी पीने से हमारा शरीर में वात, पित्त और कफ का संतुलन बना रहता है जो शरीर को कई तरह के रोगों से बचाता है। आइए जानते हैं इसके कई फायदे–

1.इस पानी को पेट की समस्ध्याओं को दूर करने वाला माना जाता है. ये पेट की आंतों में जमा गंदगी को भी साफ कर देता है और गैस, एसिडिटी आदि समस्या से छुटकारा दिलाता है।

2.तांबा रक्त शुद्धि का काम करता है. इस पानी को पीने से स्किन से जुड़ी समस्ध्याओं में राहत मिलती है।

3.तांबे के पानी में एंटी इंफ्लेमेट्री गुण होते हैं जो आर्थराइटिस की समस्या से बचाते हैं।

4. इसमें कैंसर विरोधी तत्व मौजूद होते हैं, जो इस घातक रोग से बचाव करने में मददगार माने जाते हैं।

हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है कि तांबे के बर्तन का अच्छी तरह से फायदा लेने के लिए इसके कुछ नियमों को जानना बहुत जरूरी है, साथ ही कुछ गलतियों से बचने की कोशिश करें, वरना सेहत से जुड़ी मुश्किलें बढ़ सकती हैं....

वैसे तो सुबह खाली पेट तांबे की बोतल से पानी पीना अच्छा माना जाता है, लेकिन अगर आप ने जाने– अजाने ये गलतियां कर दी तो ये ही पानी आपके लिए जहर बन जाएगा...

तांबे के बोतल से दिन भर पानी पीना

यदि आप दिन भर तांबे की बोतल या बर्तन में रखा पानी पी रहे हैं, तो संभावना है कि आपके बॉडी में कॉपर की मात्रा जरूरत से ज्यादा हो जाए। इससे गंभीर मतली, चक्कर आना, पेट दर्द के साथ लिवर और किडनी के फेल होने का खतरा भी हो सकता है।

तांबे के बर्तन या बोतल को नियमित रूप से धोना

तांबे के बर्तन को नियमित रूप से नहीं धोना चाहिए। रोज धोने से इसके लाभकारी गुण कम होने लगते हैं। इसलिए इसे प्रत्येक उपयोग के बाद केवल साफ पानी से अच्छी तरह खंगालें। और महिने में एक बार नमक और नींबू का उपयोग करके अच्छी तरह से सफाई करें।

तांबे के बर्तन में नींबू और शहद मिले पानी का सेवन

ये बात बिल्कुल सच है कि सुबह खाली पेट नींबू शहद घुला पानी पीना सेहत के लिए फायदेमंद होता है। लेकिन जब आप इस पानी को तांबे के बर्तन में पीते हैं, तो यह जहर जैसा काम करती है। दरअसल, नींबू में पाया जाने वाला अम्ल कॉपर से मिलकर बॉडी में एसिड बनाता है, जिससे पेट दर्द, पेट में गैस और उल्टी होने का खतरा रहता है।

गर्मियों में आसपास नहीं भटकेगी कोई बीमारी, इन चीजों से मजबूत बनाएं अपनी इम्यूनिटी पॉवर

गर्मी के मौसम अपने साथ कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं लेकर आता है। खासकर इस मौसम में ज्यादा ठंडा खाने के कारण गला खराब जैसी समस्याएं होने लगती है। इसके अलावा गर्मी में इम्यूनिटी भी कमजोर हो जाती है जिसके कारण वायरल बीमारियां शरीर को बहुत जल्दी घेर लेती हैं। ऐसे में इस मौसम में खुद को बीमारियों से बचाने के लिए इम्यूनिटी को मजबूत रखना जरुरी है। तो चलिए आपको बताते हैं कि गर्मियों में आप अपनी इम्यूनिटी पॉवर कैसे मजबूत कर सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इनके बारे में...

शरीर को रखें हाईड्रेट

गर्मी के मौसम में अपने शरीर को एकदम हाइड्रेट रखें। हाईड्रेट रहने से आप एकदम स्वस्थ रहेंगे और आपका इम्यून सिस्टम भी मजबूत बनेंगा। इसके अलावा अच्छी मात्रा में पानी पीने से बॉडी डिटॉक्स होती है और शरीर में से विषाक्त पदार्थ बाहर निकलते हैं। छाछ, नींबू पानी और नारियल पानी इस मौसम में आप अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

जरुर लें विटामिन–डी

जहां सर्दियों में धूप शरीर को आराम देती है वहीं गर्मियों की कड़कती धूप से हर कोई बचना चाहता है परंतु इम्यूनिटी को मजबूत बनाए रखने के लिए विटामिन–डी आवश्यक है। सुबह के समय थोड़ी धूप जरुर लें। इसके अलावा आप विटामिन–डी भरपूर आहार जैसे डेयरी प्रोडक्ट्स, सोया, पनीर भी अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

विटामिन–सी को बनाएं डाइट का हिस्सा

गर्मियों में शरीर को हैल्दी और स्वस्थ रखने के लिए आप विटामिन–सी को भी अपनी डाइट में जरुर शामिल करें। आम, फल, पपीता, स्ट्रॉबेरी, संतरा, पाइनएप्पल चौरी जैसी चीजों का आप इस मौसम में सेवन कर सकते हैं। यह आपकी रोग प्रतिरोध क्षमता मजबूत बनाए रखने में मदद करेंगे।

लें पर्याप्त मात्रा में नींद

इम्यूनिटी को मजबूत बनाए रखने के लिए पर्याप्त मात्रा में नींद जरुर लें। पर्याप्त नींद लेने से आपकी इम्यूनिटी पॉवर मजबूत होगी। कम से कम 7–8 घंटे की नींद पर्याप्त मात्रा में जरुर लें। इससे आपकी बॉडी रिपेयर होती है और शरीर एकदम एक्टिव रहता है।

खाएं बैलेंस डाइट

गर्मी में विटामिन और मिनरल्स से भरपूर आहार का सेवन करें। गर्मी के मौसम में ज्यादा फल, सब्जियां खाएं। इसके अलावा इस मौसम में विटामिन–ए, सी और ई को भी अपनी डाइट में शामिल करें। जिंक, प्रोटीन से भरपूर चीजों का सेवन करें। खट्टे फल खाएं यह चीजें आपकी इम्यूनिटी मजबूत बनाने में मदद करेगी।

पैट कमिंस की वापसी के बाद क्या छिन जाएगी ईशान किशन से कप्तानी? दिग्गजों ने किए चौंकाने वाले दावे

नई दिल्ली,एजेंसी। आईपीएल में पहली बार किसी टीम का नेतृत्व कर रहे ईशान किशन ने अपनी रणनीतियों से विपक्षी खेमों में हलचल पैदा कर दी है। मंगलवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद की 47 रनों की धमाकेदार जीत ने इस सवाल को जन्म दे दिया है कि क्या पैट कमिंस की वापसी के बाद भी किशन सनराइजर्स का नेतृत्व करते रहेंगे? नियमित कप्तान पैट कमिंस की गैरमौजूदगी में सनराइजर्स हैदराबाद के टीम प्रबंधन ने आईपीएल 2026 से पहले किशन को कप्तानी सौंपी थी। ईशान किशन ने अपनी कप्तानी से प्रभावित किया है और उन्हें अब कमिंस की वापसी के बाद भी टीम का कप्तान बनाए रखने की चर्चाएं होने लगी हैं। अब तक किशन ने नेतृत्व में खेले सात मुकाबलों में सनराइजर्स ने चार मुकाबले जीते हैं और फिलहाल अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है। दिल्ली के खिलाफ हैदराबाद की जीत के बाद पूर्व भारतीय ऑलराउंडर संजय बांगड़ ने ईशान की कप्तानी की तारीफ की और कमिंस की वापसी के बाद भी एसआरएच का नेतृत्व उनके पास ही रहने देने की वकालत की।

स्टार स्पोर्ट्स के अमूल क्रिकेट लाइव पर जियोस्टार एक्सपर्ट संजय बांगड़ ने कहा, एक लीडर के तौर पर ईशान किशन अपने गेंदबाजों का इस्तेमाल करने के मामले में तकनीकी रूप से बहुत अच्छे हैं। वह समझते हैं कि किस बल्लेबाज के खिलाफ किस गेंदबाज का इस्तेमाल करना है। यह साफ दिखाता है कि वह गेम को कितनी अच्छी तरह नियंत्रित करते हैं। बांगड़ ने कहा, किशन एक जगह स्थिर नहीं दिखते, जल्दबाजी में नहीं दिखते, फील्ड पर सही फैसले ले रहे हैं। किशन ने दिल्ली के खिलाफ अपने स्पिनर्स का शानदार इस्तेमाल किया। मेरा मानना है कि अगर पैट कमिंस वापस भी आते हैं, तो भी ईशान किशन को एसआरएच की कप्तानी जारी रखनी चाहिए। ज्यादातर मामलों में, एक भारतीय कप्तान होने से निरंतरता आती है।

उन्होंने कहा कि आप यह पक्का नहीं कह सकते कि पैट कमिंस आईपीएल 2026 के बाकी मैचों में कितना फिट रहेंगे। वह छोटी–मोटी दिक्कतों से जूझ रहे हैं। ईशान का नेतृत्व जारी रखना हैदराबाद के लिए सही होगा। कप्तानी के साथ–साथ ईशान बल्लेबाजी में भी असरदार रहे हैं। सात पारियों में वह 188.89 के स्ट्राइक रेट से 238 रन बना चुके हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 13 छक्के और 24 चौके निकले हैं। संजय बांगड़ के अलावा पूर्व भारतीय ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह भी ईशान किशन के कप्तान बने रहने का समर्थन कर चुके हैं। जियोस्टार से बातचीत के दौरान भज्जी ने कहा, पैट कमिंस के लौटने के बाद भी ईशान को सनराइजर्स हैदराबाद की कप्तानी करनी चाहिए। यह चर्चा का मुद्दा हो सकता है, लेकिन अगर किसी टीम ने युवा कप्तान का समर्थन किया है तो उस पर अडिग रहना चाहिए। उन्होंने साल 2024 में हैदराबाद को फाइनल तक पहुंचाने में कमिंस के योगदान को सराहा, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि मौजूदा टीम किशन की अगुवाई में काफी स्थिर नजर आ रही है। उन्होंने आगे कहा, श्गेंदबाजों और दूसरे खिलाड़ियों ने उनके साथ अच्छा तालमेल बिठा लिया है। ईशान को कप्तान बनाए रखने से सनराइजर्स हैदराबाद को फायदा होगा।श बता दें कि, टी20 विश्व कप 2026 से पहले ईशान किशन ने अपनी कप्तानी में झारखंड को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में चौंपियन बनाया था।

बल्ले को बात करने दो, अभिषेक के तूफानी शतक के बाद मेंटर युवराज सिंह

हैदराबाद,एजेंसी। आईपीएल 2026 में सनराइजर्स हैदराबाद के ओपनर अभिषेक शर्मा ने ऐसा तूफानी प्रदर्शन किया, जिसने दिल्ली कैपिटल्स को पूरी तरह से मैच से बाहर कर दिया। 68 गेंदों में नाबाद 135 रन की उनकी पारी इस सीजन की सबसे यादगार पारियों में शामिल हो गई। इस दौरान उन्होंने 10 छक्के और 10 चौके जड़े और टीम को 242/2 के विशाल स्कोर तक पहुंचाया। इस लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली की टीम 195/9 तक ही पहुंच सकी और 47 रन से हार झेलनी पड़ी। अभिषेक शर्मा की इस ऐतिहासिक पारी के बाद उनके मेंटर युवराज सिंह ने सोशल मीडिया पर खास संदेश दिया। उन्होंने अभिषेक की तारीफ करते हुए लिखा, अपने बल्ले को काम करने दो! हर दिन बेहतर हो रहे हो, शानदार खेला सर अभिषेक! इसी प्रक्रिया को जारी रखो। युवराज का यह संदेश साफ दिखाता है कि वह युवा खिलाड़ी की प्रगति से कितने खुश हैं। अभिषेक शर्मा की यह पारी आईपीएल इतिहास की पांचवीं सबसे बड़ी व्यक्तिगत पारी बन गई। उन्होंने 135′ रन बनाकर कई दिग्गजों की सूची में अपनी जगह बनाई। इससे पहले क्रिस गेल (175′) और ब्रेंडन मैक्कुलम (158′) जैसी पारियां इस सूची में शीर्ष पर हैं। दिल्ली कैपिटल्स के लिए यह मैच सिर्फ बल्लेबाजी या गेंदबाजी की विफलता नहीं, बल्कि रणनीतिक गलतियों का भी उदाहरण बन गया। टीम मैनेजमेंट ने नितीश राणा जैसे पार्ट–टाइम स्पिनर को चार ओवर दिए, जिसमें उन्होंने 55 रन लुटा दिए। वहीं मुख्य स्पिनर अक्षर पटेल और कुलदीप यादव को सिर्फ दो–दो ओवर ही दिए गए, जो हैरान करने वाला फैसला रहा। इस दौरान दिल्ली के स्पिनरों ने कुल आठ ओवर में 108 रन खर्च कर दिए। दिल्ली की हार की सबसे बड़ी वजह मिडिल ओवर्स में खराब गेंदबाजी रही। पावरप्ले में 67 रन देने के बाद भी टीम मैच में थी, लेकिन 7 से 15 ओवर के बीच 116 रन लुटा दिए, जिससे मैच पूरी तरह हाथ से निकल गया। अभिषेक ने खास तौर पर लुंगी एनगिडी जैसे गेंदबाजों के खिलाफ शानदार शॉट्स लगाए और मैदान के सामने की दिशा में बड़े–बड़े छक्के जड़े। पारी के आखिरी ओवरों में जब अभिषेक थोड़ा थके हुए नजर आए, तब हेनरिक क्लासेन ने 13 गेंदों में नाबाद 37 रन बनाकर स्कोर को और खतरनाक बना दिया। कप्तान ईशान किशन ने भी 13 गेंदों में 25 रन की तेज पारी खेली।

संक्षिप्त

अभी नहीं, लेकिन फिर कोचिंग करूंगा, एंडी मरे ने भविष्य की योजनाओं पर खोला दिल

लंदन,एजेंसी। ब्रिटेन के महान टेनिस खिलाड़ी एंडी मरे ने अपने रिटायरमेंट के बाद के कोचिंग अनुभव को लेकर खुलकर बात की है। मरे ने साफ किया कि वह भविष्य में फिर से कोचिंग करना चाहते हैं, लेकिन फिलहाल वह इस जिम्मेदारी के लिए तैयार नहीं हैं। मरे, जिन्होंने रिटायरमेंट के बाद कुछ समय के लिए नोवाक जोकोविच के साथ काम किया, ने इस अनुभव को सीखने वाला बताया। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, जोकोविच ने शायद मुझसे कुछ नहीं सीखा, लेकिन मैंने बहुत कुछ सीखा। मैं दोबारा कोचिंग करना चाहूंगा, लेकिन अभी नहीं। मरे ने बताया कि एक खिलाड़ी से कोच बनने का सफर काफी अलग होता है। उन्होंने कहा कि जोकोविच के साथ काम करने के दौरान उन्हें उनके खेल और रोजमर्रा की तैयारी को करीब से समझने का मौका मिला। उन्होंने कहा, मैं उनके खेल के बारे में पहले से काफी जानता था, क्योंकि वर्षों तक उनके खिलाफ खेला हूं। लेकिन कोच के तौर पर उनकी दिनचर्या को देखना एक अलग अनुभव था। मरे ने यह भी स्वीकार किया कि कोचिंग में सबसे अहम चीज खिलाड़ी के साथ संवाद और समझ है। उन्होंने बताया कि एक पिता होने के नाते उनकी सोच में बदलाव आया है। उन्होंने कहा, कोचिंग में यह जरूरी है कि आप अपने खिलाड़ी को समझें और उसकी बात सुनें। मुझे लगता है कि बच्चों के साथ समय बिताने से मैं ज्यादा समझदार बना हूं। मरे ने कहा कि जब आप खिलाड़ी होते हैं तो पूरी टीम आपके लिए काम करती है, लेकिन कोच के तौर पर आप टीम का एक छोटा हिस्सा होते हैं। उन्होंने समझाया, श्कोचिंग में आप टीम के साथ मिलकर काम करते हैं, जहां आपका मकसद एक खिलाड़ी को बेहतर बनाना होता है। मरे ने नोवाक जोकोविच का समर्थन करते हुए कहा कि वह 25वां ग्रैंड स्लैम जीतने की क्षमता रखते हैं। अपने करियर को लेकर मरे ने कहा कि उन्होंने टेनिस सिर्फ नतीजों के लिए नहीं, बल्कि अपने जुनून के लिए खेला। उन्होंने कहा, मैं चार–पांच साल पहले भी रिटायर हो सकता था, लेकिन मैंने खेलना जारी रखा क्योंकि मुझे टेनिस से प्यार था। मरे ने यह भी कहा कि उन्होंने सही समय पर संन्यास लिया और अब उन्हें कोई पछतावा नहीं है। उन्होंने कहा, मैं खुश हूं कि मैंने अपने मन से खेल को छोड़ा। अब मेरे पास परिवार के साथ बिताने के लिए समय है।

इथेनॉल व डिजिटल नियम जोड़े गए, सरकार ने 20 मई तक मांगे सुझाव

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्र सरकार ने चीनी उद्योग को लेकर बड़ा बदलाव प्रस्तावित किया है। सरकार 1966 के पुराने शुगरकेन कंट्रोल ऑर्डर को हटाकर एक नया और आधुनिक कानून लाने की तैयारी में है। इस नए ड्राफ्ट में चीनी उत्पादन के साथ–साथ इथेनॉल उत्पादन, डिजिटल रिपोर्टिंग और फैक्ट्री की मंजूरी से जुड़े नियम भी शामिल किए गए हैं। इस पर 20 मई तक जनता से सुझाव मांगे गए हैं। नए नियमों में पुराने कानून की कुछ मुख्य बातें बरकरार रखी गई हैं, जैसे गन्ने का उचित मूल्य, गन्ना आपूर्ति की व्यवस्था, 14 दिन के भीतर किसानों को भुगतान और देरी होने पर 15: सालाना ब्याज। लेकिन सबसे बड़ा बदलाव इथेनॉल को लेकर किया गया है। अब चीनी फैक्ट्रियों की परिभाषा में इथेनॉल उत्पादन को भी शामिल किया जाएगा। यानी गन्ने के रस, सिरप, चीनी और शीरे (मोलासेस) से इथेनॉल बनाने वाली इकाइयों को भी इस कानून के तहत माना जाएगा। नए नियम में यह भी तय किया गया है कि 600 लीटर इथेनॉल को 1 टन चीनी के बराबर माना जाएगा। इससे उत्पादन का हिसाब आसान होगा। इसके अलावा जो फैक्ट्रियां सिर्फ इथेनॉल बनाती हैं और गन्ना खुद नहीं पीसतीं, उन्हें बैंक गारंटी की सख्त शर्तों से छूट दी गई है। यह कदम इथेनॉल उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए उठाया गया है। बता दें कि नए ड्राफ्ट में पहली बार फैक्ट्री खोलने, मंजूरी लेने, न्यूनतम दूरी तय करने और प्रोजेक्ट पूरा करने की समय सीमा जैसे नियम जोड़े गए हैं। ऐसे में अगर कोई फैक्ट्री 7 साल तक बंद रहती है तो उसका लाइसेंस भी रद्द किया जा सकता है। सरकार ने डिजिटल रिपोर्टिंग और ट्रैकिंग सिस्टम भी शुरू करने का प्रस्ताव रखा है, जिससे हर फैक्ट्री को एक कोड दिया जाएगा और ऑनलाइन मॉनिटरिंग होगी। इसके साथ ही अब चीनी उद्योग के उप–उत्पाद जैसे इथेनॉल, बिजली और जैविक खाद के मूल्य को भी नए तरीके से जोड़ा जाएगा। मामले में उद्योग से जुड़े संगठनों ने कहा है कि 1966 का कानून पुराना हो चुका है और इथेनॉल जैसी नई तकनीक को इसमें शामिल करना जरूरी था। हालांकि कुछ संगठनों ने खांडसारी इकाइयों पर बढ़ी सख्ती पर चिंता भी जताई है। भारत दुनिया में ब्राजील के बाद चीनी का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है।

सीडीएस जनरल अनिल चौहान के ब्रिटेन दौरे से भारत–यूके रक्षा साझेदारी को नई मजबूती

नई दिल्ली,एजेंसी। जनरल अनिल चौहान ने अपने ब्रिटेन दौरे के दौरान रक्षा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के उद्देश्य से यूके के रक्षा उद्योग जगत के प्रमुख प्रतिनिधियों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने रक्षा विनिर्माण, तकनीक हस्तांतरण और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाने पर जोर दिया। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल चौहान ने कहा कि भारत और यूके के बीच आर्थिक एकीकरण बढ़ने से रक्षा क्षेत्र में सहयोग और सुगम होगा। उन्होंने कहा कि रक्षा औद्योगिक साझेदारी से महत्वपूर्ण तकनीकों के सह–डिजाइन, सह–विकास और सह–उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। इससे पहले जनरल चौहान ने लंदन स्थित स्मारक द्वार पर पुष्पांजलि अर्पित कर शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि दी।

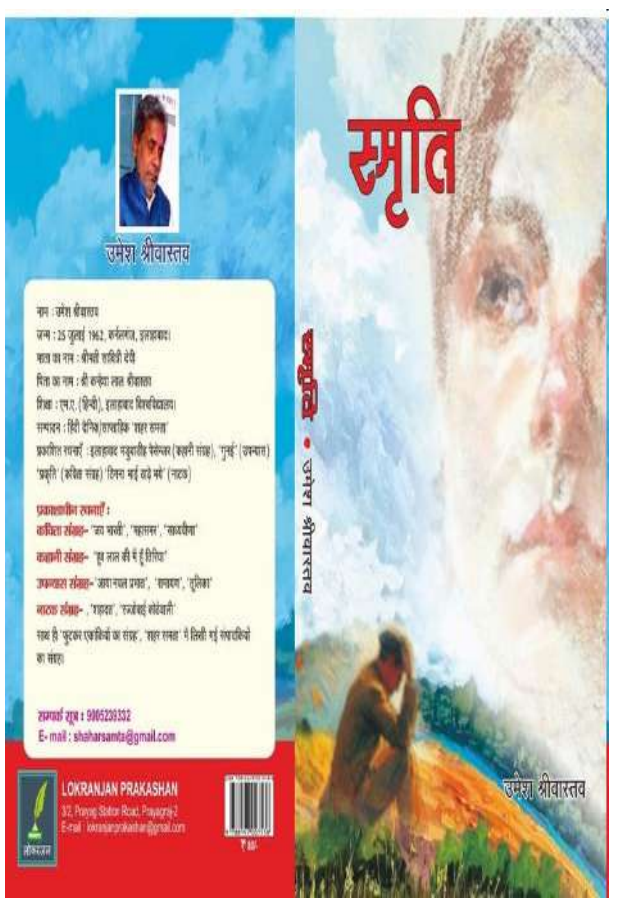

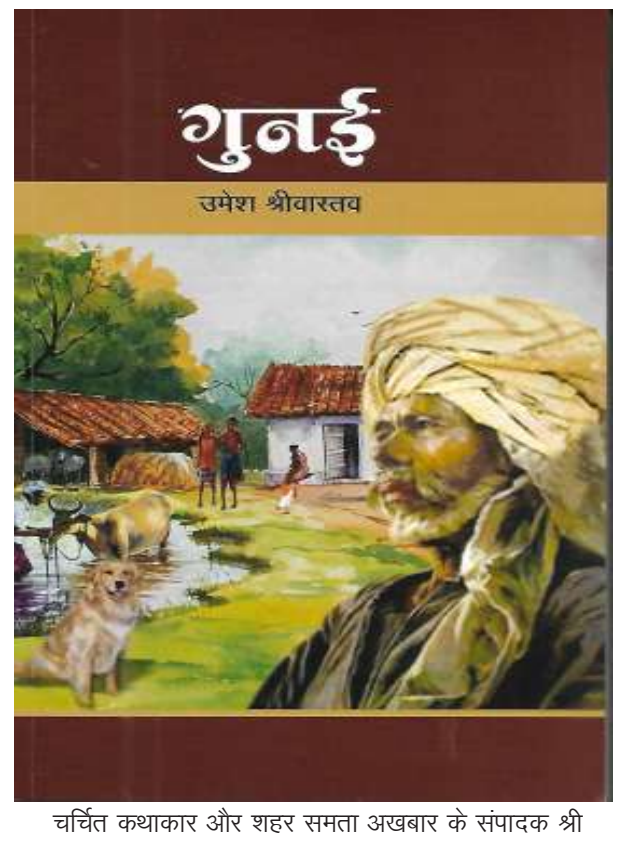

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

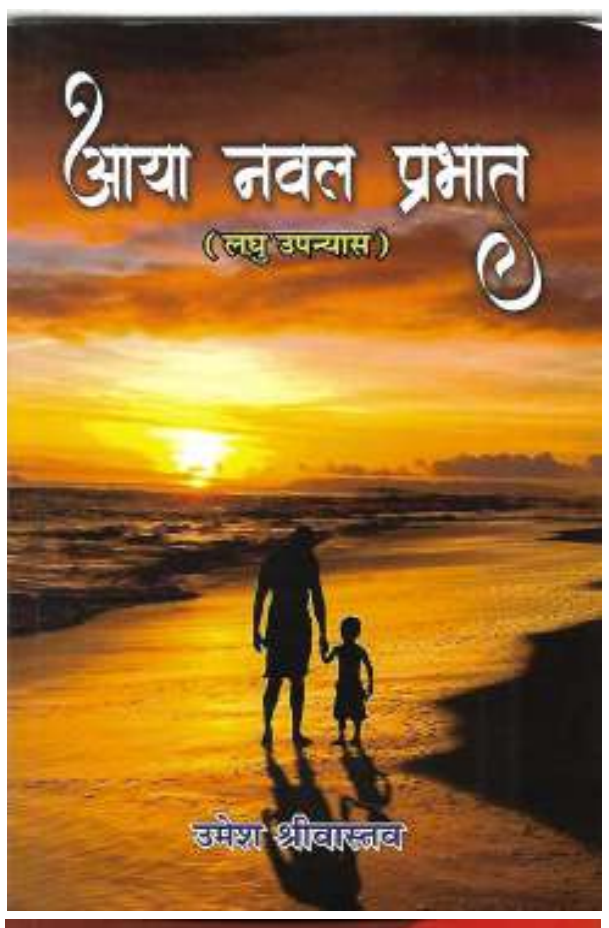

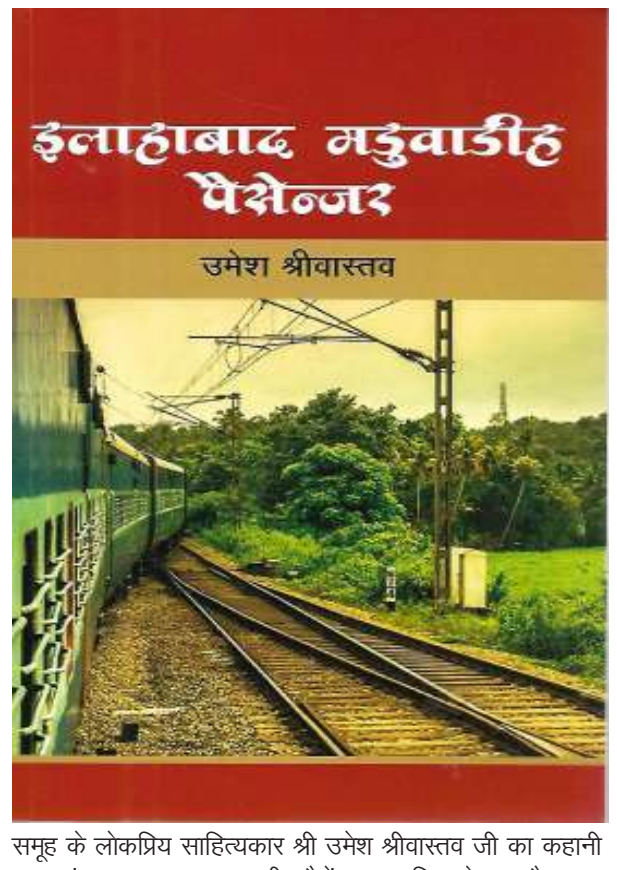

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

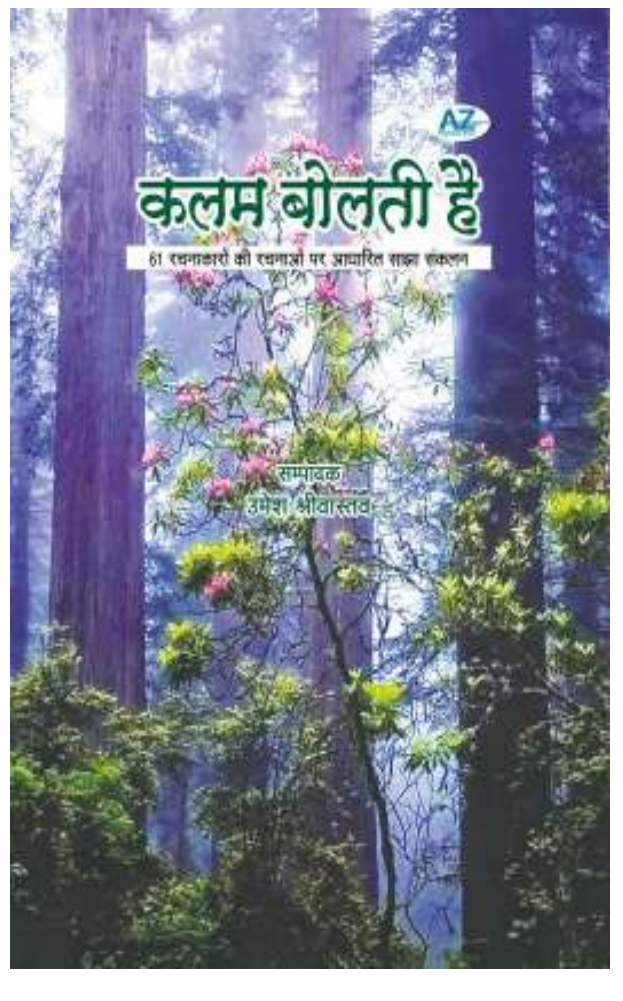

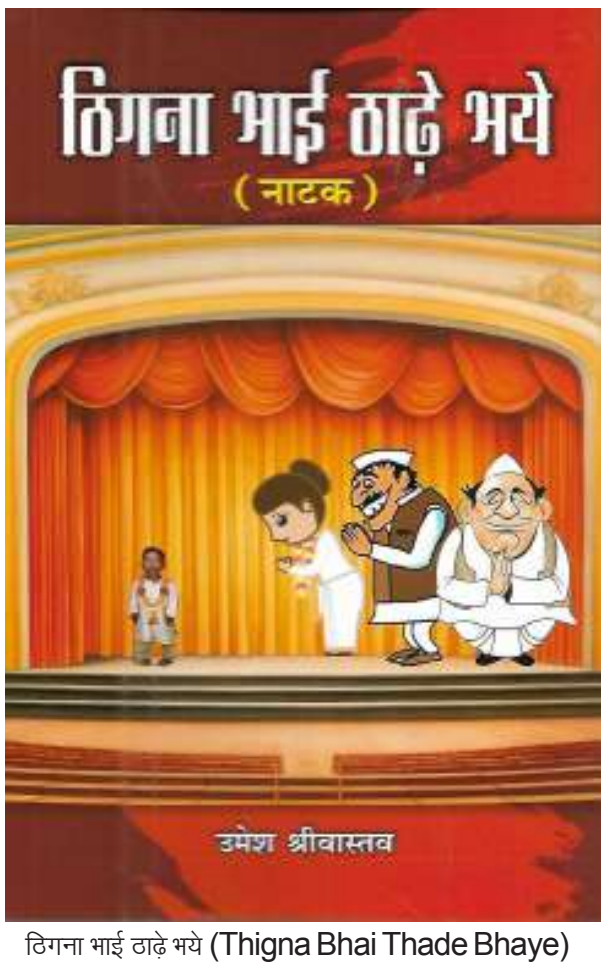

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

धूम्रपान न करने वाले कम उम्र के लोगों में भी बढ़ रहा फेफड़ों का कैंसर, रिसर्च में चौंकाने वाला दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के शोधकर्ताओं ने पाया है कि 50 वर्ष से कम उम्र के ऐसे लोगों में भी फेफड़ों के कैंसर के मामले बढ़ रहे हैं, जिन्होंने कभी धूम्रपान नहीं किया। अध्ययन में विशेष रूप से यह भी सामने आया कि युवा धूम्रपान न करने

वाली महिलाओं में यह जोखिम पुरुषों की तुलना में अधिक देखा गया। यूएससी नॉरिस कॉम्प्रिहेंसिव कैंसर सेंटर और केक मेडिसिन ऑफ यूएससी के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए इस शोध को अमेरिकन एसोसिएशन फॉर कैंसर रिसर्च की वार्षिक बैठक में प्रस्तुत किया गया। शोधकर्ताओं का कहना है कि यह प्रवृत्ति फेफड़ों के कैंसर के बदलते स्वरूप की ओर संकेत करती है और इसके पीछे पर्यावरणीय कारणों की गहराई से जांच की जरूरत है। अध्ययन में लगभग 187 ऐसे मरीजों का विश्लेषण किया गया, जिनकी उम्र 50 वर्ष से कम थी और जिनमें से अधिकांश ने कभी धूम्रपान नहीं किया था। शोध के दौरान वैज्ञानिकों ने पाया कि फेफड़ों के कैंसर से पीड़ित इन मरीजों ने सामान्य लोगों की तुलना में अधिक फल, सब्जियां और साबुत अनाज का सेवन किया था। आमतौर पर इन्हें स्वस्थ आहार माना जाता है।

'ईरानी सेना की ताकत अब भी मजबूत', पेंटागन रिपोर्ट में खुलासा, ट्रंप-हेगसेथ के दावों पर उठे सवाल

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी रक्षा विभाग (पेंटागन) की खुफिया शाखा की एक नई रिपोर्ट ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हलचल मचा दी है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरान की सैन्य क्षमता अभी भी मुख्य रूप से मजबूत बनी हुई है, जिससे अमेरिकी नेतृत्व के हालिया बयानों पर सवाल खड़े हो गए हैं। अमेरिकी दावों से उलटी खुफिया रिपोर्ट रिपोर्ट के अनुसार, डोनाल्ड ट्रंप और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने पहले दावा किया था कि हालिया संघर्षों के बाद ईरान की सेना को भारी नुकसान हुआ है और उसकी ताकत काफी कमजोर हो चुकी है। लेकिन पेंटागन की खुफिया रिपोर्ट इन दावों से पूरी तरह असहमत नजर आ रही है। ट्रंप ने बढ़ाया युद्ध विराम, पाकिस्तान की अपील का दिया हवाला इस आंतरिक खुफिया आकलन के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ युद्ध विराम को और बढ़ाने की घोषणा की है। उन्होंने इस निर्णय का कारण पाकिस्तानी नेतृत्व द्वारा एक नियोजित सैन्य हमले में देरी के लिए की गई सीधी अपील को बताया। यह घोषणा पिछले समय–सीमा समाप्त होने से कुछ घंटे पहले सार्वजनिक की गई। ईरान का तीखा जवाब हालांकि, इस घोषणा का तेहरान से तत्काल विरोध हुआ। ईरान के संसद अध्यक्ष के एक सलाहकार, महदी मोहाम्मदी ने अमेरिकी कदम को खारिज करते हुए कहा कि हारने वाला पक्ष शर्तें तय नहीं कर सकता। उन्होंने तर्क दिया कि यह विस्तार ईरानी सरकार के लिए कुछ भी मायने नहीं रखता और अमेरिकी सेना के खिलाफ सैन्य वृद्धि का आह्वान किया। एक्स पर एक पोस्ट में, मोहाम्मदी ने कहा कि ट्रंप द्वारा युद्ध विराम का विस्तार कुछ भी मायने नहीं रखता क्योंकि हारने वाला पक्ष शर्तें तय नहीं कर सकता। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि घेराबंदी जारी रखना बमबारी से अलग नहीं है और इसका जवाब सैन्य रूप से दिया जाना चाहिए। कूटनीति असफल, तनाव बरकरार बीते दिनों दोनों देशों के बीच इस्लामाबाद में हुई 21 घंटे की लंबी बातचीत के बाद एक दीर्घकालिक समझौते को सुरक्षित करने का पिछला प्रयास बिना किसी सफलता के समाप्त हो गया था, जिससे तनाव और बढ़ गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान की सैन्य शक्ति अभी भी पश्चिम एशिया में एक महत्वपूर्ण और प्रभावशाली स्थिति बनाए हुए है। उसके सैन्य ढांचे को पूरी तरह कमजोर नहीं किया जा सका है।

होर्मुज में फिर बिगड़े हालात : ईरानी सेना ने तीन जहाजों पर की गोलीबारी, शांति वार्ता को लेकर अब भी संशय बरकरार

तेहरान, एजेंसी। दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री रास्ते होर्मुज जलडमरूमध्य में एक बार फिर बारूद की गंध फैल गई है। बुधवार को ईरानी सेना ने अंतरराष्ट्रीय जलसीमा से गुजर रहे तीन व्यापारिक जहाजों पर अंधाधुंध गोलीबारी की, जिससे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर संकट के बादल और गहरे हो गए हैं। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिका और इस्राइल के साथ ईरान की शांति वार्ता को लेकर प्रयास किए जा रहे थे। ईरान की अर्धसैनिक शरिवोल्यूशनरी गार्डश ने बुधवार सुबह इस दुस्साहसी कार्रवाई को अंजाम दिया। खबरों के मुताबिक, ईरानी सेना ने पहले एक कंटेनर जहाज पर गोलियां चलाईं और उसके कुछ ही देर बाद दूसरे जहाज को निशाना बनाया। ईरानी मीडिया का दावा है कि इन जहाजों ने सेना की चेतावनियों को नजरअंदाज किया था, इसलिए उन पर कानूनी रूप से कार्रवाई की गई। पकड़े गए जहाजों की पहचान एमएससी फ्रांसिस्का और एपाामिनोड्स के रूप में हुई है, जिन्हें ईरानी सेना अपने साथ ले गई है। इसके कुछ देर बाद एक तीसरे जहाज यूफोरिया पर भी हमला किया गया, जिसके ईरानी तट पर फंसे होने की खबर है। यह हमला उस वक्त हुआ जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने बुधवार को खत्म होने वाले संघर्षविराम को अनिश्चित काल के लिए बढ़ाने का ऐलान किया था।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

चीन के हाथों की कठपुतली है पाकिस्तान ?: ईरान-US युद्ध विराम में भूमिका पर सवाल, पूर्व अमेरिकी NSA को नीयत पर शक

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी उथल–पुथल के बीच पाकिस्तान एक बार फिर वैश्विक मंच पर कठघरे में खड़ा नजर आ रहा है। चाहे शांति वार्ता के संदर्भ में पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ के वो ड्राफ्ट संदेश हों या फिर इस्लामाबाद में हुई अमेरिका और ईरान के बीच नाकाम शांति वार्ता। कई मंचों पर पाकिस्तान को अपने रवैये के चलते किरकिरी का सामना करना पड़ा है, जिसके चलते इस्लामाबाद की कूटनीति लगातार सवालों के घेरे में भी रही है। ऐसे में एक बार फिर पाकिस्तानी की नापाक मंशा को लेकर सवाल तब खड़े हो गए जब अमेरिका के पूर्व एनएसए एचआर मैकमास्टर ने शांति वार्ता में पाकिस्तान की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े किए। इतना ही नहीं सवाल केवल पाकिस्तान की भूमिका तक नही रही

मैकमास्टर ने पाकिस्तान को चीन के हाथों का कठपुतली तक बता दिया। उन्होंने पाकिस्तान की भूमिका को चीन के प्रभाव में बंधा कठपुतली देश करार देते हुए उसकी नीयत पर गंभीर संदेह जताया। ईरान से जुड़ी मध्यस्थता में पाकिस्तान की सक्रियता को भी उन्होंने संदिग्ध बताया है। कुल मिलाकर मैकमास्टर ने कहा कि पाकिस्तान, चीन के प्रभाव में काम करने वाला एक कठपुतली देश जैसा है और ईरान से जुड़े कूटनीतिक मामलों में उसकी नीयत पूरी तरह साफ नहीं लगती। पाकिस्तान की भूमिका पर क्या बोले मैकमास्टर? बता दें कि पूर्व अमेरिकी अधिकारी ने यह बात ए।छे न्यूज एजेंसी को दिए एक विशेष इंटरव्यू में कही। इस दौरान उनसे जब पूछा गया कि ईरान और अमेरिका के बीच मध्यस्थता में पाकिस्तान की भूमिका कैसी है, तो उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के करीबी देश के रूप में देखना चाहिए। उन्होंने यह भी दावा किया कि चीन, ईरान की मौजूदा सरकार को बनाए रखने में दिलचस्पी रखता है, क्योंकि वह ईरान से बड़े पैमाने पर तेल खरीदता है। उनके अनुसार, इसी वजह से चीन ईरान को आर्थिक रूप से मजबूत बनाए रखता है। इतना ही नहीं मैकमास्टर ने आगे पाकिस्तान की निष्पक्षता पर भी कड़े सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की मध्यस्थता की पेशकश पूरी तरह निष्पक्ष नहीं मानी जा सकती और इसके पीछे पाकिस्तान के कुछ छिपे हुए नापाक इरादे भी हो सकते हैं। पाकिस्तान और आतंकवाद समूह को लेकर उठाए सवाल इस दौरान मैकमास्टर ने पाकिस्तान की सेना पर भी तीखी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि उनका अनुभव पाकिस्तान की सेना के साथ निराशाजनक रहा है। उनके अनुसार, पाकिस्तान एक तरफ आतंकवाद विरोधी सहयोग की बात करता है, लेकिन दूसरी तरफ वह कुछ ऐसे समूहों को भी समर्थन देता है जो अमेरिका के खिलाफ काम करते हैं। मैकमास्टर ने यह भी आरोप लगाया कि पाकिस्तान 1940 के दशक के अंत से ही आतंकवादी संगठनों का इस्तेमाल अपनी विदेश नीति के एक हिस्से के रूप में करता रहा है। उन्होंने आगे कहा कि चीन द्वारा ईरान से बड़े पैमाने पर तेल खरीदने से वहां की सरकार को आर्थिक ताकत मिलती है, जिससे उसकी क्षेत्रीय गतिविधियां जारी रहती हैं। इन सभी बातों के आधार पर उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की भूमिका को चीन की रणनीतिक नीति से अलग करके नहीं देखा जा सकता।

इस्राइल का कबूलनामा: ईरान के खिलाफ ऑपरेशन में मारा गया मोसाद एजेंट मिस्ट `मेम', 2023 में ही बिछा दिया था जाल

एजेंसी/इस्राइल की खुफिया एजेंसी मोसाद के एक एजेंट को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। टाइम्स ऑफ इस्राइल की रिपोर्ट के अनुसार उन्होंने ईरान के खिलाफ इस्राइल के हालिया अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। यह जानकारी मोसाद प्रमुख डेविड बार्निया ने मंगलवार को दी। इस्राइली एजेंट की मई 2023 में इटली में एक नाव हादसे में मौत हो गई थी।

मेम नाम से थी पहचान यह एजेंट केवल उनके नाम के पहले हिब्रू अक्षर मेम से पहचाने जाते हैं। उनकी मौत इटली की मैगी गोर झील में नाव पलटने से हुई थी, जिसमें कुल चार लोगों की जान गई थी। उस समय इटली की मीडिया रिपोर्ट्स में उनकी पहचान 50 वर्षीय एरेज शिमोनी के रूप में की गई थी, जिसे एक उपनाम माना जाता है। उनकी असली पहचान आधिकारिक रूप से सार्वजनिक नहीं की गई, हालांकि इस्राइल की आधिकारिक स्मारक वेबसाइटों पर उपलब्ध बताई जाती है। देश के लिए किया अपना जीवन समर्पित मोसाद मुख्यालय में आयोजित मेमोरियल डे समारोह में डेविड बार्निया ने कहा कि आज के दिन मैं उन शहीद मोसाद कर्मियों को याद करता हूं, जिन्होंने वर्षों तक इस्राइल की सुरक्षा में योगदान दिया और देश के लिए अपना जीवन समर्पित किया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन रोअरिंग लायन के दौरान मेरे विचार और मेरा हृदय मेम के व्यक्तित्व और उनके कार्यों को लेकर गर्व से भर गया था। वह इस्राइल के बाहर अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए शहीद हुए। मेम के नेतृत्व में चलाया गया अभियान कैसा हुआ करता था?

बार्निया ने आगे कहा, मेम के नेतृत्व में चलाया गया अभियान रचनात्मकता, चतुराई और अत्याधुनिक तकनीक का मिश्रण था, जिसने ईरान के खिलाफ अभियान की सफलता पर महत्वपूर्ण असर डाला। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह वही अभियान था, जिसने हालिया इस्राइल–ईरान युद्ध के दौरान इस्राइल की सफलता में योगदान दिया। इटली की मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जिस नाव पर हादसा हुआ, उस पर खुफिया एजेंटों की एक कार्य बैठक चल रही थी। रिपोर्ट्स में कहा गया था कि नाव पर सवार 23 लोगों में से 19 मौजूदा या पूर्व इस्राइली और इतालवी खुफिया एजेंट थे। इटली की सुरक्षा सेवा ने बताया था कि हादसे में मारे गए दो अन्य लोग 62 वर्षीय एक पुरुष और 53 वर्षीय एक महिला उसके कर्मचारी थे। मेम का शव इस्राइल लाकर सम्मान के साथ दफनाया गया मेम का शव बाद में इस्राइल लाया गया, जहां अश्केलोन सैन्य कब्रिस्तान में पूरे सम्मान के साथ दफनाया गया। उनके अंतिम संस्कार में मोसाद के वरिष्ठ अधिकारी, जिनमें डेविड बार्निया भी शामिल थे, मौजूद रहे। मेम ने अपना पूरा जीवन गुप्त सेवा में बिताया अंतिम संस्कार के दौरान बार्निया ने कहा कि वह मूल्यों वाले व्यक्ति, सच्चे मित्र, समर्पित और वफादार इंसान थे। आपने अपना पूरा वयस्क जीवन गुप्त सेवा में बिताया। मृत्यु के बाद भी हम सार्वजनिक रूप से आपके उन अनेक महत्वपूर्ण और लाभकारी कार्यों का खुलासा नहीं कर पाएंगे, जो आपने इस्राइल और उसके लोगों के लिए किए। उन्होंने मेम को नवाचारपूर्ण क्षेत्रों और संचालन के नए तरीकों का विशेषज्ञ भी बताया। हादसे में शामिल टूरिस्ट नाव गुडूरिया के कप्तान क्लाउडियो कारमिनाटी को यात्रियों की मौत के मामले में प्ली डील के तहत चार साल जेल की सजा सुनाई गई। जांच में सामने आया कि हादसे के समय नाव में 23 लोग सवार थे, जबकि कानूनी रूप से उसमें केवल 15 लोगों को ले जाने की अनुमति थी। कप्तान की पत्नी भी इस हादसे में मारी गई थीं। रिपोर्ट्स के अनुसार, नाव जब डूबी तब वह किनारे से सिर्फ 100 मीटर दूर थी। बचे हुए लोगों को या तो अन्य नौकाओं ने बचाया या वे तैरकर किनारे पहुंचे। बताया गया कि नाव पर 10 अन्य इस्राइली भी मौजूद थे, जिन्हें हादसे के तुरंत बाद एक निजी विमान से इस्राइल भेज दिया गया। यह विमान कथित तौर पर इस्राइली अधिकारियों द्वारा इस्तेमाल किया जाता है।

ईरान-अमेरिका सीजफायर: खबरों में सूत्रों के हवाले से दावों की भरमार, जंग कब थमेगी ? फिलहाल जवाब किसी के पास नहीं

तेहरान/वॉशिंगटन/इस्लामाबादे, एजेंसी। ईरान और अमेरिका के बीच जारी तनाव में संघर्ष विराम को लेकर असमंजस की

स्थिति बनी हुई है। जहां एक ओर सीजफायर को आगे बढ़ाने का एलान किया गया है, वहीं दूसरी तरफ शांति वार्ता की दिशा को लेकर स्पष्टता अभी भी नहीं है। इस पूरे घटनाक्रम के बीच पाकिस्तान की मध्यस्थता पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। पाकिस्तान की भूमिका पर शक, वार्ता में ठहराव के संकेत ईरानी मीडिया नेटवर्क की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान द्वारा स्थापित संवाद चौनल से कोई ठोस नतीजा निकलता नजर नहीं आ रहा है। विश्लेषकों का मानना है कि इस प्रक्रिया में केवल संदेशों का आदान–प्रदान हो रहा है, लेकिन कोई निर्णायक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि पाकिस्तान के शीर्ष सैन्य नेतृत्व ने ईरान का संदेश अमेरिका तक पहुंचाया, लेकिन अब तक यह स्पष्ट नहीं है कि वॉशिंगटन ने इसे स्वीकार किया है या नहीं। इससे वार्ता प्रक्रिया में अविश्वास और अनिश्चितता बढ़ गई है। ट्रंप ने बढ़ाया सीजफायर, लेकिन रुख अब भी सख्त अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अचानक संघर्ष विराम को आगे बढ़ाने का फैसला लिया। बताया जा रहा है कि यह कदम पाकिस्तान के अनुरोध के बाद उठाया गया, ठीक उस समय जब पहले तय समयसीमा खत्म होने वाली थी। हालांकि, ट्रंप ने ईरान की सरकार को कमजोर और बिखरी हुई बताते हुए सख्त रुख बरकरार रखा है। उन्होंने संकेत दिया कि अगर कोई ठोस समझौता सामने नहीं आता, तो सैन्य कार्रवाई की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। पाकिस्तान की कोशिश या समय खरीदने की रणनीति? पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने संघर्ष विराम बढ़ाने के फैसले का स्वागत करते हुए अमेरिका का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान शांति वार्ता को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। हालांकि, विश्लेषकों का मानना है कि यह कदम पाकिस्तान की ओर से समय हासिल करने की कोशिश भी हो सकता है, ताकि वह खुद को एक अहम कूटनीतिक खिलाड़ी के रूप में पेश कर सके। ईरान में भी मतभेद, शांति प्रक्रिया पर असर रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान के भीतर भी नेतृत्व स्तर पर मतभेद उभर रहे हैं, जिससे वार्ता और जटिल हो गई है। अलग–अलग धड़ों के बीच सहमति की कमी शांति प्रक्रिया को धीमा कर रही है। हालांकि पाकिस्तान में वार्ता के अगले दौर की बात कही जा रही है, लेकिन इसकी तारीख अब तक स्पष्ट नहीं है। ऐसे में यह सवाल बना हुआ है कि क्या यह कूटनीतिक प्रयास जंग को रोक पाएंगे या तनाव और बढ़ेगा।

US दौरे पर भारतीय सेना प्रमुख: द्विपक्षीय सैन्य संबंध मजबूत करने की कवायद, मुक्त और समृद्ध हिंद-प्रशांत पर जोर

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने आज जनरल उपेंद्र द्विवेदी का इंडिया हाउस में स्वागत किया। यह मुलाकात जनरल द्विवेदी के वॉशिंगटन डीसी में प्रस्तावित आधिकारिक कार्यक्रमों से पहले हुई। क्यों है यह दौरा अहम? अमेरिका स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि भारतीय नौसेना प्रमुख और वायुसेना प्रमुख की हालिया यात्राओं के बाद सेना प्रमुख का यह दौरा भारत और अमेरिका के बीच लगातार बढ़ रहे उच्चस्तरीय सैन्य आदान–प्रदान को आगे बढ़ाता है। दूतावास ने कहा कि यह यात्रा दोनों देशों के रक्षा संबंधों को और मजबूत करेगी, जो व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी का प्रमुख स्तंभ है, और मुक्त, खुले व समृद्ध इंडो–पैसिफिक क्षेत्र के साझा लक्ष्य को आगे बढ़ाएगी। इससे पहले 21 अप्रैल को जनरल द्विवेदी ने होनोलूलू में जनरल रोनाल्ड पी. क्लार्क और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की थी। बैठक में भारत–अमेरिका रक्षा सहयोग को मजबूत करने तथा इंडो–पैसिफिक क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता के साझा विजन को आगे बढ़ाने पर चर्चा हुई। द्विवेदी को मिला गार्ड ऑफ ऑनर का सम्मान फोर्ट शाफ्टर स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डे पर पहुंचने पर जनरल द्विवेदी को औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद उन्होंने ओहू द्वीप का हवाई दौरा किया, जहां उन्हें प्रशिक्षण व्यवस्था, सैन्य संरचना और मल्टी–डोमेन ऑपरेशनल तैयारियों की जानकारी दी गई। भारतीय सेना के अतिरिक्त जनसंपर्क महानिदेशालय (।क्ळच्) ने कहा कि सेना प्रमुख की यह यात्रा दोनों देशों के बीच सामरिक विश्वास और रक्षा सहयोग को नई दिशा देने वाली है। भारत और अमेरिकी वायुसेना प्रमुखों की हुई थी वार्ता इस महीने की शुरुआत में भारत और अमेरिका ने वायुसेना प्रमुखों के बीच हुई उच्चस्तरीय वार्ता में भी रणनीतिक रक्षा साझेदारी दोहराई थी। 8 अप्रैल को एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने अमेरिका का आधिकारिक दौरा किया था।

ओमान के पास समुद्री जहाज पर IRGC का हमला, शिप को हुआ भारी नुकसान, सभी क्रू मेंबर सुरक्षित

लंदन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच ओमान के पास समुद्र में एक कंटेनर जहाज पर हमला हुआ है। यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (न्ज्ञडज्) ने इस घटना की जानकारी दी। रिपोर्ट के अनुसार, ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (प्त्ळब्) की एक गनबोट ने इस जहाज पर हमला किया। यह हमला ओमान के तट से लगभग 15 समुद्री मील उत्तर–पूर्व में हुआ। क्या बोले जहाज के कप्तान?

जहाज के कप्तान ने बताया कि ईरानी गनबोट ने बिना किसी चेतावनी के अचानक फायरिंग शुरू कर दी। इस हमले में जहाज के ब्रिज (कंट्रोल रूम वाला हिस्सा) को काफी नुकसान पहुंचा है। राहत की बात यह रही कि जहाज से किसी आग लगने या पर्यावरणीय प्रभाव की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। जहाज पर मौजूद सभी कर्मचारी पूरी तरह सुरक्षित हैं। न्ज्ञडज् ने इस रास्ते से गुजरने वाले अन्य जहाजों को सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना देने की सलाह दी है। क्यों बढ़ रहा तनाव? अल जजीरा के अनुसार, समुद्र में यह तनाव पिछले कुछ दिनों से लगातार बढ़ रहा है। 20 अप्रैल को ईरानी सेना ने अमेरिकी युद्धपोतों की तरफ ड्रोन भेजे थे। ईरान का कहना है कि ओमान के सागर में उनके एक व्यापारिक जहाज पर हमला हुआ था, जिसके जवाब में उन्होंने यह कदम उठाया। वहीं, प्त्ळब् ने दावा किया कि अमेरिकी सेना ने उनके एक मर्चेंट शिप पर फायरिंग की थी, लेकिन ईरानी कार्रवाई के बाद अमेरिकी सैनिकों को पीछे हटना पड़ा। प्रेस टीवी की एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी सेना ने ईरानी जहाज को डराने और उसे वापस ईरानी सीमा में भेजने के लिए निशाना बनाया था। इस बीच, ईरान ने हॉर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने का फैसला किया है। प्त्ळब् ने कहा कि अमेरिका ने ईरानी बंदरगाहों की समुद्री घेराबंदी कर रखी है। ईरान इसे युद्धविराम का उल्लंघन मान रहा है। हजरत खातम अल–अंबिया सैन्य मुख्यालय ने अमेरिका पर समुद्री डकैती का भी आरोप लगाया है। युद्धविराम के बाद भी तनाव बरकरार दूसरी तरफ, अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) ने अलग दावा किया है। उनका कहना है कि अमेरिकी युद्धपोत यूएसएस स्प्रुएंस ने अरब सागर में ईरानी जहाज तूसका (TOUSKA) को रोका था। अमेरिका के अनुसार, इस जहाज ने समुद्री घेराबंदी के नियमों को तोड़ा था। फिलहाल इस इलाके में व्यापारिक जहाजों की आवाजाही गंभीर रूप से प्रभावित हुई है। IRGC ने चेतावनी दी है कि वे अमेरिकी सेना की इस सशस्त्र डकैती का बदला जरूर लेंगे। युद्धविराम की अवधि बढ़ने के बावजूद दोनों देशों के बीच हालात गंभीर बने हुए हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

अफ्रीकी देशों पर चीन की धौंस: ताइवान के राष्ट्रपति को टालना पड़ा दौरा, तीन देशों पर अनुमति न देने का दबाव?

बीजिंग, एजेंसी। ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग–ते का इस सप्ताह प्रस्तावित अफ्रीका दौरा अचानक स्थगित कर दिया गया है। राष्ट्रपति कार्यालय ने दावा किया है कि चीन के दबाव के चलते तीन देशों ने उनके विमान को अपने हवाई क्षेत्र से गुजरने की अनुमति वापस ले ली। इस्वातिनी यात्रा पर था कार्यक्रम राष्ट्रपति लाई चिंग–ते को 22 अप्रैल से 26 अप्रैल के बीच इस्वातिनी की यात्रा करनी थी। यह देश अफ्रीका में ताइवान का अंतिम कूटनीतिक सहयोगी माना जाता है।

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए, कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।